



विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल श्रीलंका को 124 रनों से हराकर टीम इंडिया ...

@ विचार गांधी का पुनर्जन्म ही नहीं, गांधी-दृष्टि का पुनर्जागरण हो...

@ व्यापार सेंसेक्स 571 अंक गिरा: निफ्टी ऑटो में 3 प्रतिशत ...

खबर झरोखा

फ्लाईडुबई घटना भले ही हमारे देश में नहीं हुई लेकिन करेंगे गहन जांच: यूएई



अबू धाबी। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में बड़ा हादसा होते-होते टला। विमान ने दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी लेकिन फिर क्रैश कराने की कोशिश के बीच रास्ता बदला गया और आखिरकार इसे सऊदी के तबूक में ही लैंड कराया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विमान गिराने की कोशिश करने वाला पायलट ओमान का था।

वर्दे भारत एक्सप्रस में आतंकी खतरे की मॉक ड्रिल



कोलकाता। नेशनल सिक्कीरिटी गार्ड (एनएसजी) ने हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आतंकवाद-रोधी (सीटी) मॉक ड्रिल की। यह मॉक ड्रिल 28-29 सितंबर की रात को हुई। कोलकाता स्थित एनएसजी के 29 स्पेशल कम्पोजिट ग्रुप ने रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ), पश्चिम बंगाल स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), पश्चिम बंगाल पुलिस और राज्य अग्निशमन सेवा के साथ मिलकर यह अभ्यास किया।

शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा की बैठक महानदी हमें बांटने वाली नहीं, दोनों राज्यों को जोड़ने वाली जीवनधारा: मुख्यमंत्री साय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा।

बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और



जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी

प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के

किस्मानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

भारत की चुनावी प्रक्रिया 'हाईजैक' और 'केंद्रीकृत' हो चुकी है: ममता बनर्जी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव प्रक्रिया को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को खुश करने के लिए 'हाईजैक' कर लिया गया है और 'केंद्रीकृत' कर दिया गया है। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को 'वैनिश कुमार' कहकर संबोधित किया और कहा कि जिसने नागरिकों के मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश की है, मैं उसे कैसे माफ कर सकती हूँ? इसका फैसला भारत की जनता को करना है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि (आविभाजित) तृणमूल कांग्रेस द्वारा जीते गए क्षेत्रों में अधिक संख्या में नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम अदालतों में गए।

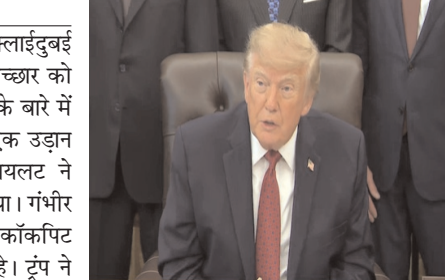
प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छर एक हीरो हैं।' उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर खतरे के सामने और खुद बुरी तरह घायल होने के बावजूद मच्छर ने दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए असाधारण साहस बड़ी त्रासदी की टालने में मदद की। पीएम मोदी ने कैप्टन मच्छर के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को बताया 'हीरो'

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लाईडुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को 'हीरो' बताया है। ट्रंप ने उस घटना के बारे में बताया, जिसमें इजरायल जा रही एक उड़ान के दौरान कथित तौर पर को-पायलट ने कैप्टन मच्छर को चाकू मार दिया था। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस घटना को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से काफी देर तक बात की। हालांकि, ट्रंप ने कई बार यह भी साफ किया कि उन्हें घटना के बारे में जो जानकारी मिली है, उसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

व्हाइट हाउस में फ्लाईडुबई के विमान के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अविश्वसनीय कहानी है। लेकिन, मैंने इस घटना के बारे में नेतन्याहू से काफी देर तक बात की। ट्रंप के मुताबिक, उन्हें बताया गया कि 'को-पायलट शायद आतंकवादी था या शायद सनकी था और



उसने पायलट को चाकू मार दिया। उन्होंने कहा, 'पायलट की हालत बहुत खराब थी और मुझे लगता है कि अब भी काफी खराब है। लेकिन, गंभीर हालत में भी उसने किसी तरह दरवाजा खोलने का सृष्टबुद्धि दिखाई। यह हैरान करने वाला था। वह एक हीरो है।'

इसके बाद ट्रंप ने उन्हें बताया कि वह एक विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि वे दरवाजे मजबूत स्टील के होते हैं। उन्हें बाहर से नहीं खोला जा सकता।



एजेंसी ■ नई दिल्ली

बालाघाट। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में कुपोषण और बीमारियों से जान गंवाने वाले आदिवासी बच्चों के परिवार से मिलने पहुंचे, जहां उन्होंने राज्य सरकार के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के मामले में पूरी तरह फेल होने का आरोप लगाया है।

राहुल गांधी ने आदिवासियों से वादा किया है कि वह उनकी समस्याओं को लोकसभा में उठाएंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी गुरुवार को बालाघाट जिले के जगला गांव पहुंचे। यह गांव बैगा आदिवासियों का है और यहां के कई परिवारों ने अपने बच्चों को बीमारी के चलते खोया है।



राहुल गांधी ने पौड़ित परिवारों से संवाद किया और उनकी बात सुनी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि बीमारी और कुपोषण के कारण बच्चों की मौत हुई और जो सरकार को

सहयोग करना चाहिए वह नहीं किया। स्वस्थ, शिक्षा, रोजगार बंद पड़ा है। यहां जमीन का मुद्दा है, मनरेगा का मुद्दा है, वन अधिकार कानून (पट्टे) का मुद्दा है, यहां पर कोई भी सपोर्ट नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि यहां बहुत बच्चों की मौत हुई। आधे लोगों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। सरकार से मांग है कि जब अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे। आदिवासियों को पट्टा मिलना चाहिए, रोजगार मिलना चाहिए, अस्पताल हो और स्कूल हो।

नेता प्रतिपक्ष ने बगैर किसी का नाम लिए कहा कि 24 घंटे विकास की बात करते हैं, 24 घंटे भ्रष्टाचार होता है, मगर आदिवासी को जब जरूरत है आप गायब हो गए। विपक्ष की तरफ से कांग्रेस पार्टी की तरफ से यह संदेश देना चाहता हूँ कि सरकार अपना काम करे, यहां पर शिक्षा की सुविधा दी जाए, अस्पताल बनाए जाए। जो उनका हक है, वह दिया जाए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आदिवासियों को एक योजना

में पैसा मिलता है तो लाडली बहना योजना में इनका पैसा कट जाता है। यह इनका हक है। अगर योजना चलाई है और दो योजना चला रहे हैं तो दोनों योजनाओं का फायदा इन्हें मिलना चाहिए। जैसे ही कांग्रेस की सरकार आएगी, हम उनकी मदद करेंगे, वन अधिकार कानून लाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हम इन्हें वनवासी नहीं कहते। हम इन्हें आदिवासी कहते हैं। आदिवासी इस हिंदुस्तान का पहला मालिक थे, इसलिए इनको जगह मिलनी चाहिए, शिक्षा मिलनी चाहिए, स्वास्थ्य मिलना चाहिए, और रोजगार मिलना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार पूरी तरह से शत प्रतिशत फेल है। उन्होंने आदिवासियों से वादा किया है कि आदिवासियों के मुद्दे को वे लोकसभा में उठाएंगे।

गांधी के तीन मंत्र ही युवाओं को बनाएंगे आत्मनिर्भर और निडर : प्रो. दयाल

विश्व केसरी■
रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में ‘भारतीय युवाओं पर महात्मा गांधी के प्रेरणादायक प्रभाव’ विषय पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित हुआ। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) मनोज दयाल ने गांधी दर्शन के तीन प्रासंगिक विचार युवाओं के लिए प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा, पहला – शिक्षा का उद्देश्य मन और इंद्रियों को वश में करना है।* आज की डिग्री-केन्द्रित शिक्षा नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा जो युवाओं में निडरता और स्वावलंबन पैदा करे, वही सच्ची शिक्षा है। गरीब से गरीब भी कहें, यह देश मेरा है। गांधी जी ऐसे भारत का सपना देखते थे, जहाँ अंतिम



‘धरती पर हमारी जरूरतों के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लालच के लिए नहीं।’ आज युवाओं में लालच नहीं, आवश्यकता-आधारित जीवनशैली ही भ्रष्टाचार को रोक सकती है।

में उनके योगदान को लेकर गंभीरता से चर्चा की। छात्रों के डिस्कशन में यह है प्रमुख रूप से निकलकर आया कि *बैरिस्टर से बापू* बनने तक कि उनकी यात्रा युवाओं के लिए काफी प्रेरणादायक रही। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभागाध्यक्ष डॉ नृपेंद्र शर्मा, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष श्री पंकज नयन पांडेय, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग अध्यक्ष डॉ शैलेंद्र खंडेलवाल, जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ राजेंद्र मोहनं, सामुदायिक रेडियो ‘संवाद’ की प्रभारी डॉ वैशाली गोताप, अतिथि व्याख्याता डॉ.अनिल शुक्ला डॉ.अनामिका शर्मा डॉ.हितेश तिवारी, डॉ ज्योति शर्मा समेत बड़ी संख्या में छात्र – छात्राएं उपस्थित रहे।



अपील की है।उल्लेखनीय है कि 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाती है। दोनों महान विभूतियों के जीवन से सत्य, अहिंसा, सादगी, सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा

वृद्धावस्था बीमारी नहीं, जीवन का स्वाभाविक चरण

विश्व केसरी■
रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के मेडिसिन विभाग के अंतर्गत संचालित जेरियाट्रिक यूनिट (Geriatric Unit) द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ एवं गरिमापूर्ण वृद्धावस्था को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जागरूकता एवं स्वास्थ्य परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. देवप्रिया लकड़ा, डॉ. योगेंद्र मल्होत्रा एवं अन्य चिकित्सकों तथा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आमजन से अपील की गई कि

वृद्धावस्था कोई बीमारी नहीं, बल्कि जीवन का एक स्वाभाविक चरण है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह के परिवर्तन होते हैं। जिन्हें समझना और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करना बेहद जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से वृद्धजनों को कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाया जा सकता है तथा उनकी जीवन गुणवत्ता बेहतर की जा सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग, आप ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■
रायपुर। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे अभूतपूर्व हमले पर राजधानी रायपुर में राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश में सभी विधानसभा में ज्ञापन दिया जा रहा है। आप नेताओं ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, परंतु हालिया घटनाक्रमों से यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत का निर्वाचन आयोग अपनी संवैधानिक निष्पक्षता खो चुका है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा सत्ताधारी दल भाजपा के नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं के साथ मिलकर देश भर के 30 राज्यों में स्ट्रुक गैर-कानूनी तरीके से काटे गए। इसी सुनियोजित साजिश के तहत आम आदमी

पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जी को चुनावी प्रक्रिया में नुकसान पहुंचाया गया। चुनाव के उपरांत आम आदमी पार्टी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयोग को इसके ठोस एवं पुख्ता सबूत सौंपे गए थे, परंतु आयोग ने इन सबूतों पर कोई निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय निष्क्रियता अपनाए रखी। निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से कैट छत्तीसगढ़ की टीम ने की सौजन्य भेंट
विश्व केसरी■
रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विरम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुन्दिर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अश्वक किरण सिंह से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) छत्तीसगढ़ की टीम ने उनके निवास स्थान पहुंचकर सौजन्य भेंट की तथा उनका कुशलक्षेम जाना।

शपथ पत्र
मैं पप्पू राम नाग पिता गोन्गू राम नाग उम्र 49 वर्ष निवासी धरमपुरा नं.1 अटल बिहारी वाजपेई वार्ड क्र 38 जगदलपुर तहसील-जगदलपुर, जिला-बस्तर छत्तीसगढ़ शपथपूर्वक निम्न कथन व्यक्त करता हूँ कि -
1) यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ।
2) यह कि मेरे नाम 5वीं एवं 8वीं व पासपोर्ट में पप्पूराम PAPPU RAM पिता गोन्गू अंकित हो गया है।
3) यह कि मेरे आधार कार्ड नं. 6142 2301 7843 व चैनकार्ड बैंक पासबुक मतदाता परिचय पत्र में पप्पू राम नाग PAPPU RAM NAG पिता गोन्गू राम नाग में अंकित है।
4) यह कि उक्त दोनों ही नाम वाला व्यक्ति मैं स्वयं हूँ।
5) यह कि यह शपथ पत्र पासपोर्ट व सभी शासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम पप्पू राम नाग PAPPU RAM NAG पिता गोन्गू राम नाग पढ़ा व लिखा जाने के समर्थन में प्रस्तुत है।
शपथकर्ता
पप्पू राम नाग

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 2)
...: आर्. एच. बी. टी., दुर्गल तार, राजमार्ग, रायपुर...
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं /.....35893...../ न. पा. नि. जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35893
वार्ड का नाम 14- रमण मंदिर वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR220F00254 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती MR. DINESH KUMAR RAO CHANAVAR पिता/पति श्री श्रीमती NANAMAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती भाविका पंजवानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री मनोज पंजवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 2)
...: आर्. एच. बी. टी., दुर्गल तार, राजमार्ग, रायपुर...
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं /.....35883...../ न. पा. नि. जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35883
वार्ड का नाम 14- रमण मंदिर वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR220F00223 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती MR. PRAKASH पिता/पति श्री श्रीमती की नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती श्रीमती वसन्त नवानी पिता/पति श्री श्रीमती स्व. प्रकाश नवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय (जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 6)
...: आर्. एच. बी. टी., दुर्गल तार, राजमार्ग, रायपुर...
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं /.....35892...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35892
वार्ड का नाम 63 विमोडियर उम्यान वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR449H00070 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती MOHAMMAD AZAZ. पिता / पति श्री/श्रीमती LATE IBRAHIM HUSSAIN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती AKBAR KHAN पिता / पति श्री/श्रीमती BASHIR KHAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA AND MALABA BIKRI NAMA / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 6)
...: आर्. एच. बी. टी., दुर्गल तार, राजमार्ग, रायपुर...
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं /.....35834...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35834
वार्ड का नाम 63 विमोडियर उम्यान वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR455000970 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती BHURI BAI/PUTALI ALI BAI/MILAN YADAV पिता /पति श्री/श्रीमती CHANDRA KANT / MILAN YADAV के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MOGRA BAI YADAV पिता / पति श्री/श्रीमती. SHESHNARAYAN YADAV ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH DEATH CERTIFICATE / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 4)
...: संतोष नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर...
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....35833...../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35833
वार्ड का नाम 17-उत्कर्ष बापा वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR107B00018 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती SURYA PRAKASH SINGH पिता / पति श्री / श्रीमती RAMKUMAR SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती RAJAN JAISWAL पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LATE VASUDEV JAISWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 4)
...: संतोष नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर...
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....35816...../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35816
वार्ड का नाम 17-उत्कर्ष बापा वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR107D00168 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती Tutusarkar पिता / पति श्री/श्रीमती K.N.Sarkar के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SUBHASHISH SARKAR पिता / पति श्री/श्रीमती S/O K.N. SARKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAPATH PATRA, DEATH CERTIFICATE, BY, TAX RASID, PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन कं - 1)
...: संतोष नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर...
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....35817...../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 01-10-2026
इशतिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35817
वार्ड का नाम 15 कन्दैयाल बाजारी वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR107L00227 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती MURLIDHAR PRASAD GUPTA पिता / पति श्री/श्रीमती RAMNARAYAN PRASAD GUPTA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती ARTI SINHA पिता / पति श्री / श्रीमती W/O AKHILESH KUMAR SINHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्तानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

RDA भू-आवंटन पर कांग्रेस का हल्लाबोल

मंत्री की पत्नी से जुड़ी कंपनी को जमीन देने का आरोप, कांग्रेस ने RDA दफ्तर घेरा

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण की लाभांडी-कचना-सड्डू नगर विकास योजना में भूखंडों के आवंटन को लेकर सियासत तेज हो गई है। मंत्री केदार कश्यप की पत्नी से जुड़ी कंपनी राधिका पैलैस प्राइवेट लिमिटेड को कचना की जमीन के बदले सड्डू में कथित तौर पर प्राइम लोकेशन का भूखंड दिए जाने के मामले में कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में रायपुर के ईएनटी विशेषज्ञ एवं समाजसेवी डॉ. राकेश गुप्ता और कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि RDA की नगर विकास योजना में कंपनी को असामान्य लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई है। पार्टी ने पूरे मामले की स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

कचना की जमीन के बदले सड्डू में प्राइम लोकेशन का आरोप

कांग्रेस के मुताबिक राधिका पैलैस प्राइवेट लिमिटेड की कचना के नालापारा क्षेत्र में करीब 1.33 एकड़ जमीन है। पार्टी का दावा है कि इस जमीन तक पहुंच संकरी सड़क से होती है, जबकि इसके बदले कंपनी को सड्डू क्षेत्र में प्रस्तावित 150 फीट चौड़ी रूक-43



सड़क से लगी करीब 23 हजार वर्गफीट जमीन अंतिम भूखंड के तौर पर दी जा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि मूल जमीन और अंतिम भूखंड के बीच दूरी होने के बावजूद इस तरह का आवंटन किस वैधानिक प्रावधान के तहत किया गया। पार्टी ने यह भी सवाल किया कि नगर विकास योजना में कंपनी की जमीन को शामिल करने की आवश्यकता क्यों पड़ी।

किया घेराव

मामले को लेकर कांग्रेस ने अब सड़क पर भी विरोध शुरू कर दिया है। रायपुर जिला कांग्रेस कमिटी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता RDA कार्यालय का घेराव करने पहुंचे।

प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुमार मेनन कर रहे हैं। प्रदर्शन में पूर्व सभापति प्रमोद दुबे समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर विकास योजना के तहत जमीनों के पुनर्गठन और आवंटन में प्रभाव का इस्तेमाल कर कंपनी को लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई।

जांच पूरी होने तक योजना पर रोक की मांग

कांग्रेस ने पूरे मामले की स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पार्टी का कहना है कि जांच पूरी होने तक संबंधित नगर विकास योजना में आगे की कार्रवाई पर रोक लगाई जानी चाहिए। कांग्रेस ने यह भी कहा है कि यदि जांच में लागू गए आरोप सत्य पाए जाते हैं तो मंत्री केदार कश्यप, उनकी पत्नी तथा मामले से जुड़े संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

कांकेर मेडिकल कॉलेज के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा झापन

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में प्लेसमेंट सुरक्षा कर्मियों ने आज अपनी 12 सूत्रीय मांग पत्र चिकित्सा अधीक्षक को सौंपा है। उक्त आशय की जानकारी प्लेसमेंट स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन के नेता गणेश कोराम ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया। कोराम ने सौंपे गए मांग पत्र के बारे में प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि मांगपत्र में मुख्य रूप से सरकारी निर्धारित न्यूनतम मजदूरी दर पर प्रति माह के 7 तारीख को वेतन भुगतान करने,वेतन पूर्व दो दिन पूर्व सभी कर्मचारियों को वेतन पर्वी वितरित करने, सभी सुरक्षा कर्मियों



को वर्ष में दो बार ड्रेस,जूता मोजा,टोपी वितरित करने, साप्ताहिक अवकाश निर्धारित करने, माह में एक बार यूनियन के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्लेसमेंट एजेंसी के अधिकारी का बैठक आयोजित सुनिश्चित करने, नए भर्ती प्रक्रिया

प्रारंभ करने की मांगें प्रमुख हैं।

यूनियन नेता ने कहा कि यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने जब पहले के कम वेतन भुगतान के बारे में चिकित्सा अधीक्षक से की गई कार्यवाही के बारे में जानना चाहा तब उन्होंने

प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सा अधीक्षक से नए प्लेसमेंट एजेंसी और यूनियन के बीच बैठक आयोजित करने का आग्रह भी किया जिस पर एमएस ने आश्चर्य व्यक्त किया कि जैसे ही नए ठेकेदार का वर्क आर्डर आ जाएगा उसके तुरंत बाद स्वयं उपस्थित होकर यह बैठक आयोजित किया जाएगा।

बसना में नुआखाई भेंट-घाट का भव्य आयोजन, नन्हें कलाकारों ने भजनों से मोहा मन

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। पश्चिम ओडिशा और छत्तीसगढ़ अंचल की साझा लोक-संस्कृति, समरसता तथा कृषि परंपरा का पावन लोकप्रिय 'नुआखाई' नगर में अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं साहित्यिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस मांगलिक अवसर पर ब्राह्मण नवयुवक संघ बसना के बैनर तले एवं विप्र मातृ संगठन बसना के विशेष सहयोग से श्री परशुराम युवा वाहिनी बसना द्वारा पारंपरिक 'नुआखाई भेंट-घाट' एवं सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन श्री हरि लक्ष्मी विप्र भवन बसना में किया गया।



धरती माता के प्रति कृतज्ञता और नव-अन्न का श्रुभारम्भ हुआ, अक्षत त्रिपाठी, वात्सल्य वंदन का यह उत्सव लोक-चेतना तथा सामाजिक एकात्मता का प्रतीक बना। ईशा दास ने सहभागिता की। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के बच्चों द्वारा भक्ति रस से जुहार 'के साथ आशीर्वाद लेने का पारंपरिक

श्रास्त्रीय एवं उप-श्रास्त्रीय मर्यादा में आबद्ध भजनों के गायन ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। बाल कलाकारों ने भगवता श्री गणेश की वंदना, भगवान परशुराम स्तुति और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम व शिव भजनों की ऐसी अविरल श्रंग के बहोई कि संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

बच्चों के सुर, लय, ताल और भावपूर्ण नृत्य को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का सार्थक संदेश दिया।

भजन विधा पर आधारित नृत्यों से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मनमोह लिया । कु. शरण्या शर्मा के मंत्रोच्चार से भजन नृत्य का धरती माता के प्रति कृतज्ञता और नव-अन्न दास(अंश), कु.अंशिका त्रिपाठी और कु. ईशा दास ने सहभागिता की। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज के बच्चों द्वारा भक्ति रस से परिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

बाढ़ पीड़ितों की मदद में जुटे दीपक बैज, सुबह 4 बजे खुद तैयार किए भोजन के पैकेट

जगदलपुर (अर्जुन झा)। सूरज ने धरती का वंदन भी नहीं किया था और बस्तर की धरती अपने 'कुलदीपक' की रोशनी से आलोकित हो उठी। भोर होने से पहले ही बस्तर का यह कुलदीपक अपनों का दर्द साझा करने निकल पड़ा।हम बात कर रहे हैं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष और बस्तर के माटी पुत्र दीपक बैज की। दीपक बैज की संवेदनशीलता और पीड़ितों का दर्द साझा करने की प्रवृत्ति का एक बेहतरीन उदाहरण जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आज भोर होने से पहले देखने को मिला।बाढ़ प्रभावितों के लिए भोजन के पैकेट्स तैयार करते नजर आए दीपक बैज।



बस्तर में बाढ़ और मुसलाधार बारिश ने जो कहर छाया है, उसकी टीसें अब भी महसूस की जा रही हैं। पचासों लोग बेघरबार हो गए हैं। घर

ढह गए हैं, घरों में रखा अनाज, कपड़े सबकुछ तबाह हो चुके हैं। लोगों के सामने रिहायश और भोजन का संकेत खड़ा हो गया है। नगर निगम प्रशासन, महापौर संजय पांडे, जिला प्रशासन, कलेक्टर आकाश छिकारा, सामाजिक संगठन और समाजसेवी संस्थाओं के लोग आपदा

पीड़ितों की हर संभव मदद कर रहे हैं। सर्व आदिवासी समाज, ईसाई समाज, जैन समाज, महेश्वरी समाज, व्यापारी संगठन आदि मदद के लिए आगे आए हैं। लोग राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में जाकर पीड़ितों को नाश्ता, भोजन, शुद्ध पेयजल, चाय, कपड़े आदि उपलब्ध

करा रहे हैं। पीड़ितों की मदद करने में कांग्रेस पार्टी भी पीछे नहीं है। बस्तर के हालात को देखते स्वयं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज स्वयं इन दिनों बस्तर में डेरा डाले हुए हैं। बस्तर दीपक बैज की जनमभूमि और कर्मभूमि है, लिहाजा वे पीड़ितों का दर्द साझा करने तन,

संपादकीय

गांधी के गांव और शास्त्री के किसान की कसौटी पर आज का भारत



आचार्य ललित मुनि

भारत के गांव बदल रहे हैं। जिस गांव को कभी देश की अर्थव्यवस्था का आधार माना जाता था, वहां अब खेती के साथ डिजिटल सेवाएं, बैंकिंग, सड़क, इंटरनेट, छोटे उद्यम और नई तकनीक पहुंच रही है। किसान भी केवल हल और बैल तक सीमित नहीं है। उसके हाथ में मोबाइल है, खेत में ड्रोन पहुंच रहा है और सौर ऊर्जा से लेकर मौसम की जानकारी तक खेती के नए साधन उसके सामने हैं। फिर भी एक सवाल अपनी जगह कायम

है कि इस बदलते गांव और बदलते किसान की दिशा क्या वही है जिसकी कल्पना गांधी और शास्त्री ने अपने अपने समय में की थी ?

2 अक्टूबर की तारीख इस सवाल को और महत्वपूर्ण बना देती है। इसी दिन 1869 में महात्मा गांधी का जन्म पोरबंदर में और 1904 में लाल बहादुर शास्त्री का जन्म मुगलसराय में हुआ था। दोनों के जन्म के बीच लगभग 35 वर्ष का अंतर था, लेकिन भारत के कुछ मूल प्रश्नों ने दोनों को एक दूसरे से जोड़ दिया। गांधी के सामने भारत का गांव था और शास्त्री के सामने भारत का किसान। गांधी गांव को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर सामाजिक इकाई के रूप में देखते थे, जबकि शास्त्री ने किसान को भारत की खाद्य सुरक्षा और राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के केंद्र में स्थापित किया।

गांधी के लिए गांव केवल कृषि उत्पादन की जगह नहीं था। उनके रचनात्मक कार्यक्रम में ग्राम स्वच्छता, खादी और ग्रामोद्योग, बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं का उत्थान, किसानों और श्रमिकों की चिंता तथा सामाजिक सुधार जैसे विषय शामिल थे। ग्राम स्वराज की उनकी कल्पना में गांव अपने निर्णयों और अपनी आवश्यकताओं के समाधान के लिए अधिक सक्षम हो, यह महत्वपूर्ण था। स्थानीय संसाधन, स्थानीय श्रम और स्थानीय भागीदारी इस सोच के महत्वपूर्ण आधार थे।

लाल बहादुर शास्त्री के सामने परिस्थितियाँ अलग थीं। स्वतंत्रता के बाद देश खाद्य संकट, आर्थिक कठिनाइयों और सुरक्षा चुनौतियों से गुजर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने किसान को राष्ट्रीय जीवन के केंद्र में रखा। उनका प्रसिद्ध आह्वान जय जवान, जय किसान केवल एक नारा नहीं था। इसमें देश की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा को समान महत्व देने की भावना थी। शास्त्री के लिए किसान खेत में अन्न पैदा करने वाला व्यक्ति भर नहीं था, बल्कि राष्ट्र की आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार था।

आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अपनी विकास यात्रा को तेज करने की बात कर रहा है, तब गांधी और शास्त्री की की दृष्टि से वर्तमान भारत देखना स्वाभाविक है। सवाल यह है कि गांधी के ग्राम स्वराज और शास्त्री के किसान सम्मान की धारणाएं आज की विकास नीतियों में किस रूप में दिखाई देती हैं।

गांधी के समय गांव की आत्मनिर्भरता का आधार स्थानीय उत्पादन, स्थानीय श्रम, ग्रामोद्योग और सामुदायिक सहयोग था। आज परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं। गांव में बैंकिंग, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान, बिजली, मोबाइल और आधुनिक संचार व्यवस्था पहुंच चुकी है। इसलिए आज का ग्राम स्वावलंबन भी अपने पुराने रूप में नहीं हो सकता। उसे आधुनिक तकनीक और बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ना होगा।

SVAMITVA योजना इसका एक उदाहरण है। ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों की संपत्तियों के अधिकार संबंधी दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य संपत्ति की स्पष्ट पहचान और स्वाचित्य अभिलेख तैयार करना है। 29 जनवरी 2026 तक देश के 1.86 लाख गांवों में 3.06 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके थे। छत्तीसगढ़ में 2,557 गांवों के लिए 1,96,757 संपत्ति कार्ड तैयार किए गए थे। सरकार के अनुसार इन संपत्ति कार्डों के आधार पर बैंक ऋण भी वितरित किए जा रहे हैं।

यह स्थानीय संपत्ति, स्थानीय संस्थाओं और स्थानीय आर्थिक क्षमता को मजबूत करने का उद्देश्य है। गांधी के समय गांव के पास जमीन, श्रम और स्थानीय उत्पादन सबसे बड़ी पूंजी थी। आज स्पष्ट संपत्ति अधिकार और डिजिटल व्यवस्था उस पूंजी को आर्थिक अवसर में बदलने का नया रास्ता खोल सकती है।

अब शास्त्री के किसान की ओर लौटें। उनके समय किसान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न था देश के लिए पर्याप्त खाद्यान्न पैदा करना। आज किसान की चुनौती कहीं व्यापक है। उसे उत्पादन के साथ लागत, मौसम, सिंचाई, बाजार, बीमा, ऋण, भंडारण और तकनीक जैसे अनेक प्रश्नों से एक साथ जुझना पड़ता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वर्तमान कृषि नीति में प्रत्यक्ष आय सहायता का प्रमुख उदाहरण है। इसके तहत पात्र भूमिधारी किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खातों में दिए जाते हैं। जुलाई 2026 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम किसान को 2026 से 2031 तक जारी रखने के लिए 3.15 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को मंजूरी दी। सरकारी जानकारी के अनुसार योजना शुरू होने के बाद 23 किस्तों के माध्यम से 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

गांधी जयंती पर विशेष



ललित मुनि

महात्मा गांधी को याद करना केवल

अतीत के एक महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि अपने वर्तमान की दिशा और भविष्य की दशा पर विचार करना भी है। गांधी किसी एक कालखंड, राजनीतिक दल या विचारधारा की संपत्ति नहीं हैं। वे एक ऐसे जीवन-दर्शन का नाम हैं, जिसकी धुरी सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन, स्वावलंबन, सेवा, स्वदेशी, ग्रामोदय, सामाजिक समरसता और मानव-मर्यादा है। इसलिए आज आवश्यकता गांधी के पुनर्जन्म की ही नहीं, गांधी-दृष्टि के पुनर्जागरण की है। गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेंगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों को स्थापित किया। उनके द्वारा निरूपित सिद्धान्त

आज की दुनिया की चुनौतियों एवं समस्याओं के समाधान के सबसे सशक्त माध्यम हैं। लेकिन वक्त की विडम्बना देखिये कि गांधी को हम बार-बार कटघरे में खड़ा करते हैं और उनकी छवि को धुंधलाने की कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। जो मानसिकता गोली मार सकती है, वह गाली दे तो क्या आश्चर्य? पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती।

आज भारत 'नए भारत' और 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में गांधी को नए संदर्भ में देखने की जरूरत है। गांधी का स्वदेशी केवल चरखे तक सीमित नहीं था; उसका मूल भाव आत्मनिर्भरता था। एक ऐसे जीवन-दर्शन का नाम हैं, जिसकी धुरी सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन, स्वावलंबन, सेवा, स्वदेशी, ग्रामोदय, सामाजिक समरसता और मानव-मर्यादा है। इसलिए आज आवश्यकता गांधी के पुनर्जन्म की ही नहीं, गांधी-दृष्टि के पुनर्जागरण की है। गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेंगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों को स्थापित किया। उनके द्वारा निरूपित सिद्धान्त

चर्चा इसी व्यापक मानवीय विकास के संदर्भ में की जा सकती है। गांधी का 'अंत्योदय' किसी सरकारी योजना का नाम नहीं, बल्कि विकास की नैतिक कसौटी है-जिसके केंद्र में वह व्यक्ति हो जो सबसे पीछे है।

गांधी की सबसे बड़ी शक्ति यह थी कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना। उनके लिए राजनीति का नैतिक

राजनीति से संवाद करती है जिसमें जनता केवल शासन की प्रजा नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की सहभागी थी। भारत की विदेश नीति और वैश्विक भूमिका में भी गांधी-दृष्टि के नए संकेत दिखाई देते हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता का सूत्र था- 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य।' प्रधानमंत्री ने इसे भारतीय सभ्यता के 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के



आधार सेवा था। आज लोकतंत्र को केवल चुनावों और संस्थाओं तक सीमित न रखकर संवाद, सहभागिता, उत्तरदायित्व और जनविश्वास से जोड़ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक परंपरा, संवाद और सहभागिता की विरासत को रेखांकित किया है। 2023 के जी-20 सम्मेलन में उन्होंने भारत की प्राचीन सभा-परंपराओं और सामूहिक निर्णय की ऐतिहासिक परंपरा का उल्लेख किया था। यह दृष्टि गांधी की उस

भाव से जोड़ा और विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। नई दिल्ली में जी-20 नेताओं का राजघाट जाकर गांधी की श्रद्धांजलि देना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण था। उस अवसर पर गांधी के शांति, सेवा, करुणा और अहिंसा के आदर्शों को सामंजस्यपूर्ण और समावेशी वैश्विक भविष्य से जोड़ा गया।

सचमुच आज विश्व को गाँधीजी के जीवन-मूल्यों की ज्यादा

आवश्यकता है । आज धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है। कुछ लोग जेहाद के नाम पर धृणिता कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं। कहीं दंगे हो रहे हैं तो कहीं महिलाओं और बच्चों के साथ अत्याचार की घटनाएँ हो रही हैं। धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में विष घोला जा रहा है। दुनिया में शस्त्रों की होड़ चल रही है। आतंकवाद जीवन का अनिवार्य सत्य बन गया है। ऐसे में गांधी बहुत याद आते हैं। इनके विचारों को फैलाकर ही दुनिया में शांति लाई जा सकती है। यहां गांधी की प्रासंगिकता एक और बड़े आयाम में सामने आती है। दुनिया आज युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट और अविश्वास की चुनौतियों से गुजर रही है, लेकिन क्या उसने मानवता बढ़ाई है-यह बड़ा प्रश्न है। कुत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर परमाणु हथियारों तक, मनुष्य ने अभूतपूर्व शक्ति हासिल की है; लेकिन शक्ति के साथ संयम, करुणा और नैतिकता न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन सकती है।

गांधी का संदेश इसलिए आज भी महत्वपूर्ण है कि उन्होंने साधन और साध्य को पवित्रता को एक-दूसरे से अलग नहीं किया। गांधी को किसी एक राजनीतिक खेमे में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना है। गांधी को केवल कांग्रेस, केवल स्वतंत्रता आंदोलन, केवल खादी या केवल किसी एक राजनीतिक व्याख्या तक सीमित करना उनके वैश्विक स्वरूप के साथ न्याय नहीं है। गांधी भारत की आत्मा से निकले और मानवता की चेतना का हिस्सा

बने। वे सीमाओं से आबद्ध नहीं हैं। वे अतीत के हैं, लेकिन केवल अतीत के नहीं हैं। वे आज के हैं और आने वाले हर कल के लिए उपयोगी हैं।

भारत जब विश्व में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है, तब गांधी-दर्शन उसके लिए नैतिक पूंजी बन सकता है। आर्थिक शक्ति भारत को प्रभावशाली बना सकती है, तकनीकी शक्ति उसे सक्षम बना सकती है और सामरिक शक्ति उसे सुरक्षित कर सकती है; लेकिन नैतिक शक्ति ही भारत को विश्वसनीय बना सकती है। विश्वगुरु होने का अर्थ दुनिया पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि दुनिया के सामने ऐसा जीवन-मूल्य प्रस्तुत करना है जिससे मानवता लाभान्वित हो। गांधी इसी नैतिक नेतृत्व की सबसे बड़ी भारतीय संभावनाओं में से एक हैं। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को प्रस्तुत करना इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा सकता है। नए भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल यह नहीं होगी कि भारत कितना बड़ा आर्थिक राष्ट्र बनता है; बड़ी उपलब्धि यह होगी कि उसकी विकास यात्रा कितनी मानवीय, समावेशी, संवेदनशील और टिकाऊ होती है। सड़कें, उद्योग, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष अभियान, स्टार्टअप और आर्थिक विकास आवश्यक हैं, लेकिन इनके साथ सत्य, नैतिकता, सामाजिक समरसता, स्वच्छता, पर्यावरण-संरक्षण और कमजोर के प्रति संवेदना भी आवश्यक है।

बोध कथा

कर्तव्य का बोध

एक किसान को विरासत में खूब

धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठता हुक्का गुड़गुड़ता और गप्प हांकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते।

एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे। यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुंचा। महात्मा ने किसान से कहा, 'हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और तुम में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।'

अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ।

किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फुर्ती से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ 'कर्तव्य' है।' यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

शिक्षा और ज्ञान से प्रस्फुटित संवेदना तथा मानवता का संदेश मानवता मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है



संजीव दाल्कर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग हैं। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। प्रेम की उत्कंठा या लोकिंक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंस्ता है, जबकि जानवर इसके अभाव में

मूक बना रहता है, हंस्ता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराहट, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को

किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और प्रेम को धारा की धारा की भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का

उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरूप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकाने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि 'ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'।

कविता		
बदलाव		
 <div>संगीता दलक माहेश्वरी</div>	बदलाव नियम है	कम कर जाते हैं।
	प्रकृति का	प्रकृति भी परिवर्तन की
	मनुष्य स्वभाव भी	परिचायक है
	क्षण-क्षण बदलता है	मौसम बदलता है जलवायु बदलती हैं
तो परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं		
कुछ रिश्ते जब नये बनते हैं		
जुड़ते हैं आकार लेते हैं		
तब भी बदलाव लाते हैं।		
कुछ बदलाव नवसृजन की ओर		
कदम बढ़ाते हैं		
तो कुछ रिश्तों की मिठास को		
और धीरे-धीरे हम उस बदलाव के आदि हो जाते है।		
फिर वो बदलाव प्रकृति का		
हो या इंसानों का		
क्यों कि हम समय के साथ		
समायोजित हो जाते हैं।।		
मनासा म.प्र.		

व्यंग्य केसरी		
जिंदगी का हिसाब-किताब		
 <div>मनोज दहल</div>	जिंदगी में भी यही खेल चल रहा है। जन्म के समय किसी को राजा मिल जाता है, किसी को गुलाम और किसी के हाथ में ऐसे पते आते हैं कि वह पूरी उम्र उन्हें फेंकता ही रह जाता है। मगर आदमी भी कमाल का खिलाड़ी है—पते चाहे जैसे हों, उम्मीद का इक्का हमेशा जेब में रखता है।	मौजूद हों, फिर भी समाज पृछता है— ‘भाई, तुम्हारे पास दिखाने के लिए कोई बड़ा पता है?’
	आजकल तो रिश्तों का खेल भी ताश से कम नहीं। दोस्ती में कोई पता देखकर दोस्त बनता है, शादी में पूरा गड्डा देखकर रिश्ता तय होता है और राजनीति में तो पते बाँटने वाला ही खिलाड़ी बन जाता है। वहाँ अच्छे पते मिलने से ज्यादा जरूरी है कि किसके हाथ में गड्डी है!	होता है— ‘जिंदगी खूबसूरत है। ‘
	हमारे समाज में अच्छे पते मिलने वालों की अलग ही इज्जत है। जिसके पास पैसा, पद और पहचान का इक्का हो, उसके गलत पते भी लोगों को खूबसूरत दिखाई देते हैं। वह गलत बोले तो ‘बेबाक’, चुप रहे तो ‘गंभीर’, देर से आए तो ‘व्यस्त’ और कुछ न करे तो ‘रणनीतिक’ कहलाता है।	असल में जिंदगी अच्छे पते मिलने का नाम नहीं है। असली हुनर तो तब है, जब हाथ पतों के साथ अच्छा खेलना काबिलियत। और कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि हम सारी जिंदगी अपने पते संभालकर बैठे रहते हैं और सामने वाला अचानक कह देता है— ‘भाई साहब, खेल खत्म... अब पते समेटिए!’
	इसके विपरीत गरीब आदमी की हालत देखिए। उसके पास मेहनत का पूरा गड्डी हो, ईमानदारी के पते हों और चरित्र के सारे रंग बैंक से चाहे बिजली का बिल, अंदर का बैलेंस और घर का झगड़ा उसे चारों तरफ से घेर रहे हों, लेकिन फेंसबुक पर स्टेटस	तब समझ आता है कि हम ताश नहीं, दरअसल जिंदगी खेल रहे थे!
		अमेरिका

इतिहास

2 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में [आज का इतिहास: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व पीएम लाल बहादुर ...] देश की महान विभूतियों के जन्म और महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए दर्ज है।

प्रमुख जन्म 1869: भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। उनके जन्मदिन को भारत में 'गांधी जयंती' और पूरी दुनिया में 'अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 1904: भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। वे अपनी सादगी, ईमानदारी और 'जय जवान, जय किसान' नारे के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक घटनाएं 1950: मशहूर कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' (Peanuts) का प्रकाशन पहली बार अखबारों में शुरू हुआ था।

सक्ती में सेवा सेतु शिविर, 329 आवेदन मिले, 267 का मौके पर निराकरण

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देश एवं प्रदेश सहित जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में ‘सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार’ के तहत 01 अक्टूबर को सेजेस सक्ती में वृहद जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की वित्तापूर्वक जानकारी दी गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, टिकेश्वर गबेल, कलेक्टर जयश्री जैन, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं



अधिकारियों ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा आमजनों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी दी। सेजेस सक्ती में आयोजित सेवा सेतु शिविर में कुल 329 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 267 आवेदन का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इसमें आमजनों एवं हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच के साथ विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

के प्रति उनके योगदान को रेखांकित किया गया। शिविर में रोजगार एवं आजीविका से संबंधित योजनाओं तथा 01 जुलाई 2025 से प्रारंभ हुए वीबीजीरामजी योजना के संबंध में भी आमजनों को जानकारी प्रदान की गई। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्र हितग्राहियों को योजना के प्रावधान, पात्रता एवं लाभ लेने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

सेवा सेतु शिविर में हितग्राही पंजीयन कार्डें, आधार कार्ड अपडेटेशन, स्वास्थ्य विभाग, वृहद स्वास्थ्य शिविर, रोजगार एवं आजीविका, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, श्रम विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, खाद्य विभाग, नगर पालिका परिषद सक्ती, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, वित्तीय साक्षरता एवं जनजागरूकता, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न

विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की नगरी झांसी में 27 से 29 सितंबर 2026 तक आयोजित अखिल भारतीय आमंत्रण मल्लखंब प्रतियोगिता-2026 में पामगढ़ की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। लक्ष्मी व्यायाम मंदिर, झांसी में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों के लगभग 400 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्थानीय सांसद अनुराग शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। छत्तीसगढ़ मलखंब संघ के नेतृत्व में कुल 24 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। पामगढ़ की शिक्षा दिनकर ने अपने शानदार खेल प्रदर्शन का परिचय देते हुए व्यक्तिगत रूप मल्लखंब स्पर्धा में देशभर के खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से जाजगीर-चांपा जिले के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा है। वहीं 14 वर्ष आयु वर्ग

की बालिका प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार हिस्सा लेने वाली पामगढ़ की प्रज्ञा कुर्रें ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। पहली ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक हासिल कर प्रज्ञा ने अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया और जिले का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 40 निर्णायक एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ की ओर से पुष्कर शर्मा और प्रेमचंद शुक्ला ने तकनीकी अधिकारी एवं निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संघ के अध्यक्ष प्रेमचंद शुक्ला तथा मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. राजकुमार शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं खेल विशेषज्ञ प्रतियोगिता में उपस्थित रहे छत्तीसगढ़ मलखंब टीम के मैनेजर देवराज तिवारी बिलासपुर एवं कोच मंगलूराम उसेन्डी नारायणपुर थे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भी सहभागिता की। इनमें यशपाल, बरेठ,आयुषी, सिद्धार्थ, प्रतीक बंजारे, अभिजीत कुर्रें, समीर कुमार, रोशनी धीवर, हिमांशी, हुसैनी, निधि उसेन्डी सहित नारायणपुर के खिलाड़ियों ने भी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पामगढ़ की शिक्षा दिनकर द्वारा स्वर्ण पदक तथा प्रज्ञा कुर्रें द्वारा कांस्य पदक हासिल किए जाने से खेलप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। दोनों खिलाड़ियों की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उपरोक्त अखिल भारतीय आमंत्रण मलखंब प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की शानदार जीत के लिये माननीय विधायक सुशांत शुक्ला बेलतरा क्षेत्र,संरक्षक अनिल टाह,उपाध्यक्ष विरेन्द्र तिवारी,बिसन कसेर,कोषाध्यक्ष अनिल सिंह,मनोज प्रसाद,मिलिन्द भानदेव,मृणाल मूले,प्रशांत तिवारी, विशाल दुबे,कमलकिशोर निकुंज,किशोर कुमार वैष्णव,डा प्रमोद यादव आदि पदाधिकारियों एवं खेलप्रेमी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

लच्छी बंध तालाब मामले में हाईकोर्ट सख्त, कलेक्टर को जांच के निर्देश

विश्व केसरी■

चांपा। बिलासपुर उच्च न्यायालय ने चांपा नगर के लच्छी बंध तालाब को अवैध रूप से पटने और व्यावसायिक दुकान निर्माण कार्य करने के प्रयास को लेकर एक बड़ा और कड़ा आदेश जारी किया है। माननीय न्यायमूर्ति श्री अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकल पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांजगीर-चांपा कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि वे पूरे मामले की विधिवत जांच करें यदि याचिकाकर्ताओं के आरोप सही पाए जाते हैं, तो सभी पक्षों को सुनवाई का मौका देते हुए कानून के तहत तत्काल उचित कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने नहीं की कार्रवाई, तो खटखटाया हाईकोर्ट का दवावाजा

मिली जानकारी के अनुसार, चांपा के थाना पारा निवासी रवीन्द्र कुमार मासुलकर और चौपाटी निवासी विवेक शर्मा ने हाईकोर्ट में रिट याचिका (WPC No. 225 of 2023) दायर की थी। याचिकाकर्ताओं के वकील श्री अमित कुमार ने कोर्ट को बताया कि चांपा में

स्थित खसरा नंबर 811 , 812 की जमीन राजस्व रिकॉर्ड ‘वाजिब-उल-अर्ज’ में तालाब और छोटे तालाब (डबरी) के रूप में दर्ज है। इस तालाब को एक स्थानीय रसखंदर (प्रतिवादी कुंवर भिवेन्द्र बहादुर सिंह) द्वारा अवैध रूप से भरकर निर्माण कार्य करने का प्रयास किया जा रहा था। याचिकाकर्ताओं ने इसकी शिकायत पहले जिला कलेक्टर से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

जल निकायों का संरक्षण सर्वोपरि: न्यायालय

सुनवाई के दौरान राज्य शासन और प्रतिवादी पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जल निकायों और तालाबों का संरक्षण सबसे पहली प्राथमिकता है। न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के प्रसिद्ध फैसले ‘जितेंद्र सिंह बनाम पर्यावरण मंत्रालय और अन्य (2020)’ तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के जल संरक्षण संबंधी कड़े दिशा-निर्देशों का हवाला दिया।

पितृपक्ष में पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज को किया गया याद

विश्व केसरी■

रायपुर/शिवरीनारायण। आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी, गुरुवार 1 अक्टूबर को पितृपक्ष के अवसर पर श्री दुधाधारी मठ रायपुर एवं श्री शिवरीनारायण मठ के पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज का श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर मठ में श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण के बीच उन्हें भवभीनी श्रद्धाजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज, संत-महात्मा, विद्यार्थी, स्मरण और संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन उपस्थित रहे। सभी ने पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज को याद करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पितृपक्ष के इस अवसर पर मठ में विशेष भोग-भंडारे का आयोजन भी किया गया। धार्मिक परंपराओं



के अनुरूप संपन्न हुए इस आयोजन में संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। पूरा आयोजन श्रद्धा, स्मरण और आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर पूर्वाचार्य राजेश्री महन्त वैष्णव दास जी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उपस्थित जनों ने उन्हें नमन किया और उनकी स्मृति को सादर याद किया।

लैक्रॉस में आदर्श स्कूल किरारी को दूसरा स्थान

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। आदर्श पब्लिक स्कूल किरारी के सब-जूनियर वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने NTPC लारा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय लैक्रॉस प्रतियोगिता 2026 में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित सक्ती जिले का नाम गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपना शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के पीछे उनकी निरंतर मेहनत, लगन एवं अभ्यास के साथ-साथ विद्यालय के प्राचार्य श्री दिनेश कुमार साहू तथा सहयोगी शिक्षक श्री अजय कुमार यादव का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन महत्वपूर्ण रहा।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चों ने प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान कठिन परिश्रम किया और मैदान में अपनी प्रतिभा एवं आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन



किया। वहीं, खिलाड़ियों के अभिभावकों की द्वारा भी बच्चों को निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस सफलता पर आदर्श पब्लिक स्कूल किरारी परिवार ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे प्रतिभाशाली बच्चे आने वाले समय में खेल के क्षेत्र में और भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकती जिले एवं विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

विद्यादान, डिजिटल साक्षरता से जागरूक हुए विद्यार्थी

विश्व केसरी■

बिरा (नीरज शर्मा)। विकासखंड स्तरीय सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरा में मंगलवार को शिक्षा सहयोग, विद्यादान एवं डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरित कर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया तथा डिजिटल युग में सुरक्षित और जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 2 बजे हुआ। शिक्षा सहयोग अभियान के तहत जरूरतमंद विद्यार्थियों को काफी पेन प्रदान किए गए। सेवानिवृत्त शिक्षक मनोज तिवारी एवं तोषण तिवारी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए निरंतर अध्ययन और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में जनपद पंचायत



बम्हनीडीह की अध्यक्ष मनीषा चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष तिवारी, बिरा सरपंच पीलीबाई साहू, बीईओ बसंत चतुर्वेदी, प्राचार्य सीता सूर्यवंशी, संकुल समन्वयक रामकिशोर देवांगन सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों को डिजिटल साक्षरता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। वक्ताओं ने इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली तथा

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया। कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक पहलू तब सामने आया जब शिक्षा सहयोग अभियान के अंतर्गत समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता और व्यापारी मणिपाल कश्यप एवं एकादशिया साहू सरपंच प्रतिनिधि एवं एक-एक गरीब एवं असहाय बच्चे को गोद लेकर उनकी संपूर्ण शिक्षा की फीस वहन करने की घोषणा की।

बाढ़ से टूटी शबरी सेतु की रेलिंग, मरम्मत की धीमी रफ्तार पर लोगों में नाराजगी

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी में आई बाढ़ का पानी उतरने के बाद शिवरीनारायण और विधीरी को जोड़ने वाले शबरी सेतु की स्थिति अब चिंता का विषय बनती जा रही है। बाढ़ के तेज बहाव से पुल की रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई है, वहीं पुल पर बहकर आए कचरे और मलबे की सफाई तथा मरम्मत कार्य की धीमी गति को लेकर दोनों ओर के नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। नागरिकों का सवाल है कि जब पुल को मरम्मत के नाम पर बंद रखा गया था। इस दौरान शिवरीनारायण और विधीरी के बीच आवागमन करने



क्यों नहीं हो पाया ?

जनकारी के अनुसार, 27 से 29 सितंबर तक शबरी सेतु को मरम्मत के नाम पर बंद रखा गया था। इस दौरान शिवरीनारायण और विधीरी के बीच आवागमन करने

वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आम नागरिकों से लेकर बुजुर्गों तक को असुविधा झेलनी पड़ी। इसके बावजूद नागरिकों का आरोप है कि पुल पर सफाई और मरम्मत का काम अपेक्षित गति से नहीं हुआ।

79 वर्षीय नेत्रहीन बुजुर्ग महिला को भी हुई परेशानी

पुल बंद रहने के दौरान लोगों को हुई परेशानी का एक संवेदनशील उदाहरण 79 वर्षीय नेत्रहीन बुजुर्ग महिला का भी सामने आया। उनके पुत्र को अनुसार, आवागमन के दौरान उनकी मां को बार-बार रुकना पड़ रहा था। वे लगातार कह रही थीं कि

उन्से ठीक से चला नहीं जा रहा है। पुत्र ने बताया कि उनकी मां पहले भी लगभग 15 से 16 फीट की ऊंचाई से गिर चुकी हैं, जिसके कारण उनकी कमर और घुटनों में लगातार दर्द बना रहता है।

परिजनों के अनुसार, बुजुर्ग महिला की स्थिति को देखते हुए उनके पुत्र ने प्रशासन से सहायता और सुविधा की गुहार लगाई थी, लेकिन उन्हें अपेक्षित राहत नहीं मिली। इस घटना ने पुन बंद रहने के दौरान बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की आवश्यकता को भी उजागर किया है।

खेत में मिली नवजात बच्ची

सक्ती में वृद्धजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर लगा

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर तालुका विधिक सेवा समिति, सक्ती के तत्वावधान में वृद्धजनों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों, संरक्षण से संबंधित कानूनों तथा निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में लीना अग्रवाल, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति सक्ती, कुमारी पुष्पलता मारकंडे, अनेर सत्र न्यायाधीश सक्ती तथा कुमारी अंकिता देवदास, न्यायिक



मजिस्ट्रेट सक्ती उपस्थित रहीं। न्यायिक अधिकारियों द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर वे विधिक सेवा संस्था के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष, तालुका

विधिक सेवा समिति सक्ती के मार्गदर्शन में उपस्थित वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गई तथा उनके लिए स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई। चिकित्सा दल द्वारा वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जाँच कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकांत पटेल, आरएमए श्री सत्यनारायण , सीएचओ अमृता सिदार, चमेली पटेल, आरएमओ गजेन्द्र राव भोसले, महेंद्र प्रताप चौहान, आशीष टंडन, चतुर्थी श्रेणी कर्मचारी तथा पैरालीगल वालंटियर प्रहलाद बंजारे, मनीष साहू एवं भुनेश्वर साहू उपस्थित रहे।

क्या आप हमेशा हेल्दी रहना चाहते हैं? डॉक्टर ने बताया आपकी थाली में रोज क्या होनी चाहिए, देखिए लिस्ट



क्या खाएं कि न पड़े बीमार

क्या आप हमेशा हेल्दी रहना चाहते हैं? हेल्दी तो रहना चाहते हैं लेकिन इसके लिए आप क्या करते हैं? रोजाना जंक फूड, फास्ट फूड, चिप्स, मोमोज, बाहर की तली-भुनी चीजें आज के नए जमाने का नियमित फूड बन गया है. इन सबसे आप हेल्दी नहीं रह पाएंगे. ऐसे में यदि आप वाकई हेल्दी रहना चाहते हैं तो आपकी थाली में क्या होना चाहिए, इसके बारे में डॉक्टर से ही जान लीजिए.

आजकल जिस तरह कम उम्र से ही लोगों को हार्ट, लिवर, किडनी, पेट आदि की क्रोनिक बीमारियां हो रही हैं. हर चार में से एक वयस्क व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर है. हर पांच में से एक वयस्क व्यक्ति को डायबिटीज है. इन बीमारियों के लिए सबसे अधिक खराब खान-पान को ही जिम्मेदार बताया जा रहा है. लोगों की दिनचर्या में पिज्जा, बर्गर, मोमोज, चिप्स, कुरकुरे, पेस्ट्रीज, केक आदि

जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, शराब, गुटखा, तंबाकू, सिगरेट, प्रोसेस्ड फूड आदि हिस्सा बनने लगा है. ये फास्ट फूड सेहत के लिए सबसे बड़ा दुश्मन है. ऐसे में सवाल उठता है कि हम क्या खाएं कि हमेशा सेहतमंद रहे. हमेशा हेल्दी रहे. हालांकि इस बात की तो कोई गारंटी नहीं ले सकता है कि आपको कोई बीमारी कभी होगी ही नहीं लेकिन निश्चित रूप से खान-पान बीमारियों को बढ़ाने में बहुत बड़ा

कारक है. ऐसे में डॉक्टरों द्वारा बताई गई हेल्दी थाली के बारे में बता रहे हैं. डॉक्टर ने बताया कि आपकी थाली में कब-कब क्या-क्या रहना चाहिए.

शुरुआत कैसे करें

एचटी की खबर में वरिष्ठ डॉक्टर ओंकार स्वामी बताते हैं कि सेहतमंद रहने के लिए पौष्टिक लेकिन संतुलित भोजन की जरूरत होती है. संतुलित भोजन का अर्थ है कि आपके भोजन से प्रोटीन, विटामिन, फैट, कार्बोहाइड्रेट, मिनिरल्स, माइक्रोन्यूट्रेंट्स आदि का संतुलित मिश्रण हो. चूँकि हमारे शरीर को इन सबकी जरूरत होती है, इसलिए ऐसा भोजन हो कि ये सब चीजें मिल जाए. इन सब चीजों का एक साथ मिलना किसी एक फूड में असंभव है, इसलिए हमें अपनी थाली में वैरायटी वाले फूड को शामिल करना चाहिए. मतलब आपकी थाली में कई चीजें एक साथ हो. ऐसे में जब भी आप दिन की शुरुआत में नाश्ता करें तो इसमें ये सारी चीजें होनी चाहिए. इस तरह आप नाश्ते में अंकुरित चना, मूंग आदि को स्वादिष्ट बनाकर खा सकते हैं. इसके साथ ही अंडा और दूध भी शामिल हो. जो भी खाएं वह पौष्टिक हो. पनीर, दाल, दही, अंडा

नाश्ते के लिए बेस्ट रहेगा.

डॉ. ओंकार स्वामी कहते हैं कि अपनी थाली को पौष्टिक बनाने का सबसे आसान और सिंपल तरीका है कि आप अपनी थाली का आधा हिस्सा फल और हरी सब्जियों से भरे. इनसे आपको पर्याप्त मात्रा में विटामिन, मिनिरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स मिल जाएंगे. इससे इम्युनिटी बढ़ेगी जिसकी वजह से शरीर में बाहरी हमले के दौरान बचाव मिलेगा. इससे आपका पाचन भी मजबूत होगा. पाचन मजबूत होने से कई बीमारियां अपने आप भागी रहती हैं. हरी सब्जियां और फल क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को कम करता है. कोशिश करें कि दिन भर में पांच अलग-अलग तरह के कलरफुल फल और सब्जी आपकी थाली में शामिल हो.

अगर आपकी थाली का एक चौथाई हिस्सा साबुत अनाज या मोटे अनाज से भरा है तो यह सबसे आइडियल थाली है. यानी अपनी थाली चावल, गेहूँ, दालें आदि से कुदरती तौर पर बने फूड है तो यह साबुत अनाज है. वहीं ज्वार, मक्कार, बाजरा, रागी, कुटकी आदि मोटा अनाज है. साबुत अनाज से हर मामले में मोटा अनाज ज्यादा फायदेमंद है.

हर बाइट में मिलेगा मसालेदार स्वाद, जानिए बीकानेरी भुजिया पराठा बनाने का तरीका

बीकानेरी भुजिया पराठा बनाने की विधि गेहूँ का आटा, बीकानेरी भुजिया, उबले आलू और मसालों से झटपट तैयार होने वाला यह पराठा नाश्ते या टिफिन के लिए बेहतरीन है. इसे दही या चटनी के साथ परोस सकते हैं. ये चाय के साथ भी एक खास स्वाद देगा.

अगर आपको पराठे पसंद हैं और कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो बीकानेरी भुजिया पराठा बेहतरीन रहेगा. राजस्थान के बीकानेर की मशहूर मसालेदार भुजिया को जब पराठे की स्टाफिंग के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है. यह रैसिपी झटपट तैयार हो जाती है और सुबह के नाश्ते, बच्चों के टिफिन या शाम की चाय के साथ भी परोसी जा सकती है.

आवश्यक सामग्री
गेहूँ का आटा - 2 कप
बीकानेरी भुजिया - 1 कप
उबला हुआ आलू - 2 मध्यम आकार के
बारीक कटा प्याज - 1
हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई
हरा धनिया - 2 बड़े चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
भुना जीरा पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर - 1/2 छोटा चम्मच
नमक - स्वादानुसार
तेल या घी - पराठा सेंकने के लिए



पराठे का आटा तैयार करें सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूँ का आटा लें. इसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं और धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूथ लें. आटे पर थोड़ा तेल लगाकर 15 मिनट के लिए ढककर रख दें. इससे पराठे मुलायम बनेंगे.
एक बाउल में उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें. अब इसमें बीकानेरी भुजिया डालें. साथ ही कटा प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, अमचूर और आवश्यकता अनुसार नमक मिलाएं. ध्यान रखें कि भुजिया कुरकुराहट और मसालेदार स्वाद में पहले से नमक होता है, इसलिए

नमक कम ही डालें. सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर स्टाफिंग तैयार कर लें.
पराठा बनाने की विधि गूंथे हुए आटे की मध्यम आकार की लोई बनाएं. इसे हल्का बेलकर बीच में 2 से 3 चम्मच स्टाफिंग रखें. किनारों को बंद करके फिर से हल्के हाथों से बेल लें. तवा गर्म करें और पराठे को दोनों तरफ से सेंकें. जब हल्के सुनहरे दाग आने लगे, तब घी या तेल लगाकर कुरकुरा होने तक सेंकें. इसी तरह सभी पराठे तैयार कर लें. बीकानेरी भुजिया के कारण पराठों में अलग तरह की कुरकुराहट और मसालेदार स्वाद आता है.

परवल की पत्तियों में पीलापन? जलजमाव और फल मक्खी हैं मुख्य वजह, ऐसे करें समय पर बचाव



बारिश में परवल की पत्तियों व फलियों में पीलापन जलजमाव और फल मक्खी के कारण होता है. सहायक निदेशक रोमी कुमारी के अनुसार, जल निकासी और ल्यूअर ट्रेप का उपयोग कर समय पर बचाव संभव है. किसानों को नियमित निरीक्षण और उचित उपाय अपनाने की सलाह दी गई है.

बारिश के मौसम में परवल की फसल किसानों के लिए आमदनी का अच्छा जरिया बनती है. लेकिन इस बार कई परवल उत्पादक किसानों के सामने एक नई समस्या खड़ी हो गई है. खेतों में लगी परवल की लताओं की पत्तियों और फलियों में पीलापन आने लगा है, जिससे किसान चिंतित हैं और उपज घटने का डर सता रहा है. इस समस्या के समाधान के लिए हमने सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण, दरभंगा रोमी कुमारी से विशेष जानकारी ली. उन्होंने बताया कि परवल में पीलापन आने के पीछे मुख्य रूप से दो कारण होते हैं.

पहला कारण: खेत में जलजमाव
रोमी कुमारी के अनुसार लगातार बारिश या सिंचाई के बाद पानी का निकास न होने से जड़ों में नमी बनी रहती है. इससे जड़ें सड़ने लगती हैं और पौधा भोजन सही से नहीं ले पाता. नतीजतन लताओं की पत्तियां पीली पड़कर मुरझाने लगती हैं और फल का विकास रुक जाता है.
बचाव का उपाय
अगर समस्या जलजमाव की है तो सबसे पहले खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।



अक्टूबर में घर आया नन्हा मेहमान? इस लिस्ट में देखें बेटे-बेटी के लिए 30 नाम, अर्थ में छिपी है रोशनी और खुशी

अक्टूबर में जन्मे बच्चे के लिए नाम चुनते समय रोशनी, प्रकृति, खुशी और नई शुरुआत जैसे अर्थों को आधार बनाया जा सकता है. लड़कों और लड़कियों के लिए यहां 30 पारंपरिक और मॉडर्न नाम दिए गए हैं. नाम तय करते समय अर्थ, उच्चारण और सरनेम के साथ मेल जरूर देखें.

अक्टूबर में घर आने वाला नन्हा मेहमान अपने साथ त्योहारों की रौनक और खुशियों का एहसास भी लेकर आता है. ऐसे में बच्चे के लिए नाम चुनना माता-पिता के लिए एक खूबसूरत लेकिन थोड़ा उलझने वाला काम हो सकता है. नाम ऐसा हो जो सुनने में प्यारा लगे, जिसका अर्थ अच्छा हो और बड़े होने पर भी उतना ही खास महसूस हो. कुछ परिवार नाम चुनते समय महीने, मौसम, रोशनी, प्रकृति या उत्सव से जुड़े भावों को महत्व देते हैं.

अगर आपके घर भी अक्टूबर में बच्चे का जन्म हुआ है या होने वाला है, तो इन नामों पर नजर डाल सकते हैं. यहां लड़के और

लड़कियों के लिए 30 नाम दिए गए हैं, जिनमें पारंपरिक और मॉडर्न दोनों तरह के विकल्प शामिल हैं.
अक्टूबर में जन्मे बेटों के लिए 15 नाम
अक्टूबर का महीना त्योहारों और बदलते मौसम से जुड़ा माना जाता है. इसलिए इस महीने जन्मे बेटे के लिए रोशनी, ऊर्जा, नई शुरुआत और खुशी जैसे भाव वाले नाम पसंद किए जा सकते हैं.

आरव - शांत और सुकून भरा.
विवान - सूर्य की किरण.
अथर्व - ज्ञान और वेदों से जुड़ा नाम.
अद्विक - अनोखा.
युवान - युवा और ऊर्जावान.
रुद्र - भगवान शिव का नाम.
दक्ष - कुशल और योग्य.
नक्ष - चंद्रमा से जुड़ा नाम.
अर्णव - समुद्र.
ओजस - ऊर्जा और तेज.
तेजस - प्रकाश और लेज.
नीरव - शांत और स्थिर.
सक्षम - योग्य और समर्थ.
अमोघ - सफल या अचूक.
इन नामों में कुछ ऐसे हैं जो लंबे समय से भारतीय परिवारों में पसंद किए जाते रहे हैं, जबकि कुछ नाम आधुनिक सुनाई देते हैं. अगर माता-पिता छोटे और आसानी से बोले जाने

वाले नाम की तलाश में हैं, तो आरव, अंश, नक्ष, विहान और युवान जैसे विकल्प देखे जा सकते हैं.
अक्टूबर में जन्मी बेटियों के लिए 25 नाम
बेटी के लिए नाम चुनते समय कई माता-पिता ऐसे अर्थ तलाशते हैं जिनमें सुंदरता, रोशनी, प्रकृति, ज्ञान या खुशी का भाव हो. अक्टूबर से जुड़े इन भावों को ध्यान में रखते हुए ये नाम पसंद किए जा सकते हैं.

लड़कियों के नाम और उनके अर्थ
अन्वी - देवी का एक नाम.
अवनी - धरती.
इरा - धरती या सरस्वती से जुड़ा नाम.
काव्या - कविता.
नव्या - नई या प्रशंसनीय.
नायरा - चमकदार या उज्ज्वल.
रोशनी - प्रकाश.
सिया - माता सीता का नाम.
तारा - सितारा.
दिया - दीपक या प्रकाश.
अदिति - असीमित, स्वतंत्र.
अनिका - सुंदर और आकर्षक.
आर्या - श्रेष्ठ या सम्मानित.
कियारा - उज्ज्वल या प्रकाशमय.
श्रेया - शुभ और श्रेष्ठ.
इनमें रोशनी, दिया, तारा और आहना जैसे नाम अक्टूबर के उत्सवी माहौल से सहज रूप से जुड़ते हैं।

पतला बेलना ही काफी नहीं, क्रिस्पी खाखरे के लिए करें ये काम, इस ट्रिक से घर पर बनेगा बाजार जैसा कुरकुरा खाखरा



गुजराती खाखरा घर पर गेहूँ के आटे और कुछ सामान्य मसालों से आसानी से बनाया जा सकता है. इसे पतला बेलना और धीमी आंच पर दबाते हुए सेंकना कुरकुरेपन के लिए जरूरी है. ठंडा होने के बाद एयरटाइट डिब्बे में रखने से इसकी क्रिस्पी बनावट बनी रहती है.

चाय का कप हाथ में हो और साथ में कुछ हल्का-फुल्का कुरकुरा खाने को मिल जाए तो शाम और भी अच्छी लगती है, अगर रोज के बिस्कुट और नमकीन से मन भर गया है तो गुजराती खाखरा एक स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है. पतला और कुरकुरा खाखरा सिर्फ गुजरात में ही नहीं बल्कि अब कई घरों में पसंद किया जाता है. इसे दही, अचार, हरी चटनी या चाय के साथ आसानी से खाया जा सकता है. बाजार में मिलने वाले खाखरे की तरह इसे घर पर भी तैयार किया जा सकता है.

इसके लिए बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती. बस आटा गूंथने और सेंकने के तरीके पर थोड़ा ध्यान देना जरूरी है. आइए जानते हैं इसकी आसान रैसिपी.

घर पर गुजराती खाखरा बनाने के लिए सामग्री
खाखरा बनाने के लिए आपको 2 कप गेहूँ का आटा, 1 चम्मच तेल, आधा चम्मच नमक, आधा चम्मच अजवाइन, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा सा हल्दी पाउडर चाहिए. आटा गूंथने के लिए जरूरत के अनुसार पानी लें. खाखरा सेंकने के लिए थोड़ा तेल या घी इस्तेमाल किया जा सकता है।

उदयपुर के टॉप 5 लग्जरी होटल, जहां ठहरेंगे तो लगेगा राजमहल में आ गए, शाही अंदाज में होगा आपका स्टे

उदयपुर अपनी झीलों, महलों और ऐतिहासिक विरासत के साथ शाही ठहराव के लिए भी खास पहचान रखता है. शहर में कई ऐसे लग्जरी होटल हैं, जहां खूबसूरत वास्तुकला, शानदार इंटीरियर और राजसी मेहमाननवाजी का अनुभव मिलता है. अगर आप उदयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं और ट्रिप को यादगार बनाना चाहते हैं, तो इन टॉप 5 लग्जरी होटलों में ठहरना आपके सफर को खास बना सकता है.



को खास बनाते हैं.
ताज लेक पैलेस: झील के बीच बना ताज लेक पैलेस उदयपुर की सबसे खास पहचान में शामिल है. पिछोला झील के बीच स्थित यह

होटल दूर से ही किसी पानी पर तैरते सफेद महल जैसा नजर आता है. यहां पहुंचने के लिए बोट से सफर करना भी अपने आप में एक अलग अनुभव है. होटल के अंदर

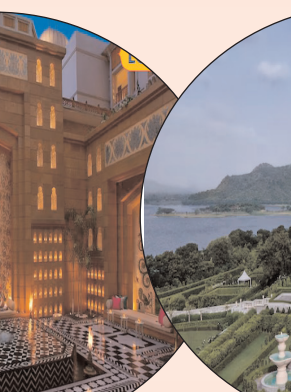
राजस्थानी वास्तुकला, खूबसूरत झरोखे और झील का शानदार नजारा देखने को मिलता है. यहां से उदयपुर के सिटी पैलेस और आसपास की पहाड़ियों का दृश्य भी



बेहद खूबसूरत दिखाई देता है.
द लीला पैलेस उदयपुर: पिछोला झील के किनारे बना द लीला पैलेस भी शाही ठहराव का अनुभव देता है. होटल की डिजाइन में मेवाड़ की कला और वास्तुकला की झलक दिखाई देती है. बड़े-बड़े झरोखे, पारंपरिक सजावट और झील के सामने बने कमरे और डाइनिंग एरिया इसे खास बनाते हैं. यहां आने वाले मेहमानों को राजस्थानी संस्कृति के साथ



आधुनिक लग्जरी सुविधाएं भी मिलती हैं.
द ओबेरॉय उदयविलास: पिछोला झील के किनारे फैली हरियाली और शाही वास्तुकला के बीच बना द ओबेरॉय उदयविलास भी उदयपुर के प्रमुख लग्जरी होटलों में गिना जाता है. यहां की डिजाइन में गुंबद, मेहराब, आंगन और पारंपरिक राजस्थानी शैली नजर आती है. होटल का बड़ा परिसर और झील के आसपास का वातावरण इसे शांत और खास ठहरने



की जगह बनाता है. यहां का खाना और डाइनिंग एक्सपीरियंस भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का हिस्सा है.
रैफल्स उदयपुर: उदयपुर से कुछ दूरी पर झील किनारे बना रैफल्स उदयपुर भी शाही अंदाज और आधुनिक लग्जरी का मेल दिखाता है. होटल के आसपास हरियाली, झील और अरावली का प्राकृतिक वातावरण देखने को मिलता है. यहां के कमरे, रेस्टोर्ट और खुले एरिया में राजस्थानी



वास्तुकला दिखाई देती है. खास बात यह है कि यहां ठहरने पर शहर की भीड़ से दूर एक शांत और प्रीमियम अनुभव मिलता है. शिव निवास पैलेस: सिटी पैलेस परिसर का हिस्सा शिव निवास पैलेस उदयपुर को शही विरासत को करीब से महसूस करने का मौका देता है. पुराने महल की वास्तुकला, आंगन, झरोखे और पारंपरिक सजावट यहां के माहौल को खास बनाते हैं।

पहली फिल्म हो या दसवीं, मेरे लिए स्क्रिप्ट सबसे पहले

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

मुंबई। आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याददाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिल सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा नने है, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'झीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह "उड़ता तीर" में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे।

“मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूँ कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके।

— आयुष्मान खुराना

हर नया डायरेक्टर लाता है अलग एनर्जी

उन्होंने कहा, “हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो थ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।”

आकाश के विजन में उतरना चाहता था

आयुष्मान ने कहा, “मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।”



उड़ता तीर
9 अक्टूबर को रिलीज

फैमिली फंक्शन में साथ दिखीं सुनीता आहूजा और कश्मीरा शाह, एक-दूसरे को बताया ‘पावर कपल’



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच अनबन सुर्खियों में है। गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह लगातार अपनी मामी सुनीता आहूजा के समर्थन में खड़ी दिखती हैं। हाल ही में दोनों एक फैमिली फंक्शन में साथ नजर आईं, जहां दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली।

फैमिली फंक्शन में दोनों ने साथ में पैपराजी के सामने अपनी एक पुरानी इच्छा का जिक्र करते हुए कहा, ‘मेरी जिंदगी में एक इच्छा थी कि पहली बार जब मैं मुंबई में समुद्र देखूं, तो वह पल खास हो। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वह इच्छा बस इच्छा ही रह गई और मैंने पहली बार समुद्र कन्याकुमारी में देखा। इसी तरह मेरी इच्छा थी कि ‘अर्जुन बेवकूफ’ का सफर प्रयागराज से शुरू हो और उस शुरुआत के समय मैं वहां मौजूद रहूं।

जताते हुए कहा, ‘आप ही ने सब सिखाया है।’ दरअसल, अभिनेत्री कश्मीरा शाह और उनकी मामी सुनीता के बीच पिछले काफी सालों से मनमुटाव चल रहा था, जिसकी वजह से दोनों परिवार एक-दूसरे से दूर थे। यहां तक कि कश्मीरा की ननद आरती की शादी में सुनीता नहीं गई थी। हालांकि, अप्रैल 2026 में ‘लापटर शोपर्स’ शो के सेट पर दोनों के बीच का पुराना विवाद आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। कश्मीरा ने सुनीता से

‘अर्जुन बेवकूफ’ से जुड़ा प्रयागराज का खास कनेक्शन, संजय मिश्रा बोले- ‘मेरी इच्छा थी यहीं से शुरू हो फिल्म का सफर’

विश्व केसरी■

मुंबई। संजय मिश्रा और राजेश तैलंग अपनी फिल्म ‘अर्जुन बेवकूफ’ को लेकर चर्चा में हैं। इसका टीजर 26 सितंबर को प्रयागराज में लॉन्च किया गया। इस मौके पर भले ही दोनों कलाकार वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन उन्होंने शहर और वहां के लोगों के लिए अपना खास लगाव जाहिर किया।

संजय मिश्रा ने कहा कि उनकी इच्छा थी कि फिल्म ‘अर्जुन बेवकूफ’ का सफर प्रयागराज से शुरू हो और वह खुद इस शुरुआत के गवाह बनें, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

संजय मिश्रा ने अपने बयान में अपनी एक पुरानी इच्छा का जिक्र करते हुए कहा, ‘मेरी जिंदगी में एक इच्छा थी कि पहली बार जब मैं मुंबई में समुद्र देखूं, तो वह पल खास हो। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। वह इच्छा बस इच्छा ही रह गई और मैंने पहली बार समुद्र कन्याकुमारी में देखा। इसी तरह मेरी इच्छा थी कि ‘अर्जुन बेवकूफ’ का सफर प्रयागराज से शुरू हो और उस शुरुआत के समय मैं वहां मौजूद रहूं।

माफी मांगी और सुनीता ने भी बड़े दिल से उन्हें माफ कर परिवार को फिर से जोड़ लिया। जब सुनीता शो में कृष्णा और कश्मीरा से मिलीं, तो दोनों ने पुरानी बातों के लिए माफी मांगी। कश्मीरा ने माना कि कई बार उन्होंने सुनीता और गोविंदा से रूखा व्यवहार किया था, जिसके लिए उन्हें अफसोस है। वहीं, सुनीता ने भी दोनों को माफ कर दिया और गले लगा लिया। यह मुलाकात और भी ज्यादा भावुक हो गई थी, जब सुनीता पहली बार कृष्णा और कश्मीरा के बच्चों रयान और कृष्ण से मिली थीं। उसी समय से सुनीता और कश्मीरा के बीच पहले से ज्यादा प्यार और अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिल रही है।

सुनीता और गोविंदा में अनबन के बीच भी कश्मीरा खुलकर अपनी मामी का साथ देती नजर आ रही हैं।

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म ‘दृश्यम 3: द कन्क्लूज’ रिलीज होने के लिए तैयार है। गुरुवार को फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातों भी हैं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया।

अभिनेत्री ने लिखा, ‘मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातों और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है।

कल दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूँ और अगर आपने ‘दृश्यम’ देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई

अर्थशॉट प्राइज में अवॉर्ड देंगी आलिया भट्ट, बोलीं- ‘यह उम्मीद, आइडिया और एक्शन का जश्न है’



कभी कल्पना भी नहीं की होगी।”

मुंबई में इस आयोजन के होने को लेकर आलिया ने कहा, ‘अलग-अलग देशों से इन सभी लोगों का एक जगह आना बेहद खास है। मुझे गर्व है कि भारत इस खास पल का हिस्सा बन रहा है और मैं उन लोगों को सेलिब्रेट करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ, जो इन समाधानों के पीछे हैं और हम सभी के लिए काम कर रहे हैं।”

आलिया इवेंट में दिए जाने वाले पांच अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स में से एक अवॉर्ड पेश करेंगी। समारोह में दुनियाभर में पर्यावरण से जुड़ी बड़ी चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में करीब 5,000 मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है।

इस खास मौके पर आलिया भट्ट के साथ ऑस्कर विजेता एक्टर रामी मालेक, क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और ब्रिटिश एक्ट्रेस और म्यूजिशियन सिमोन एस्ले समेत कई अन्य प्रेजेंटर्स और खास मेहमान भी मौजूद रहेंगे। इस इवेंट की होस्टिंग करण जोहर करेंगे।

अर्थशॉट प्राइज अवॉर्ड्स नाइट्स इवेंट को दुनियाभर में ग्राहम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शक इस समारोह को देख सकेंगे। इसे 40 से ज्यादा भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्व केसरी■

आलिया ने एक बयान में कहा, ‘अर्थशॉट प्राइज वास्तव में उम्मीद के बारे में है। ऐसी उम्मीद, जो आइडिया, एक्शन और उन लोगों के साथ आती है, जो आगे बढ़ने के नए रास्ते तलाश रहे हैं। यही चीज इस इवेंट का हिस्सा बनने को इतना खास और प्रेरणादायक बनाती है। दुनिया भर में ऐसे लोग हैं, जो हमारे ग्रह को बचाने और उसे फिर से बेहतर बनाने के लिए शानदार काम कर रहे हैं। कई बार वे ऐसे तरीकों और इनोवेटिव तरीके खोज रहे हैं।

काजी और लव गिल मामले में आम्रपाली के दोहरे रवैये पर गौहर खान ने उठाए सवाल



विश्व केसरी■

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ के हालिया एपिसोड में जमकर हंगामा देखने को मिला। शो में यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की थी, जिस पर आम्रपाली लव गिल का साथ देते बजाय उन पर चिल्ला पड़ीं। अब इस पूरे मामले पर अभिनेत्री गौहर खान ने अपनी प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने

आम्रपाली को डबल फेंस बताया। गौहर खान ने पूरे मामले पर अपनी बात को रखते हुए कहा, ‘बिग बॉस का हालिया एपिसोड देखा, जिसमें यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की थी कि वो वहां पर खड़ी होकर डांस कर रही हैं। इसके बाद लव गिल ने साफ तौर पर यंग डीएसए से साफ तौर पर कहा था कि भाई, तुम्हारा इस तरह से मेरे डांस पर टिप्पणी करना मुझे अच्छा नहीं लगा। इस पर आम्रपाली लव गिल को ही डांटने

लगीं। उन्होंने आगे कहा, ‘आम्रपाली लव गिल से कहती हैं कि तुम्हें पता है न कि यंग डीएसए का तुम्हें लेकर इरादा गलत नहीं था, वो तुम्हारा दोस्त है, तो तुम ऐसे क्यों बोल रहे हो। आम्रपाली उस वक्त लव गिल पर काफी गुस्सा हुई थी और बोली थी कि आप यंग डीएसए के बारे में ऐसे क्यों सोच रही हो।’

‘बिग बॉस 20’ में काजी तौकीर ने कनिका मान और अन्य घरवालों से बातचीत के दौरान गलती से अपशब्द का इस्तेमाल किया था, जिस पर आम्रपाली ने उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करने की नसीहत दी थी।

इस बात पर गौहर खान ने कहा, ‘तो फिर, जब काजी ने पहले ही साफ किया था कि उसने उस शब्द का इस्तेमाल किया था लेकिन उसका गलत इरादा नहीं था। फिर आम्रपाली जी आप जाकर काजी को बोल रही थी कि अगर आपका गलत इरादा नहीं था और किसी को उससे दिक्कत हो रही है, तो आप मत बोलिए। गौहर खान ने साफ किया कि आम्रपाली दुबे एक तरफ यंग डीएसए का साथ दे रही हैं कि उसका इरादा गलत नहीं है और दूसरी तरफ काजी को गलत बता रही हैं।

मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

‘दृश्यम 3: द कन्क्लूज’ दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है, जो विजय सलगांवकर (हिंदी) के परिवार और पुलिस के बीच के सस्पेंस और माइंड गेम के आखिरी अध्याय को समेटती है। यह फिल्म पिछले अनसुलझे रहस्यों, परिवार की सुरक्षा और पुलिस की अंतिम कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

पिछली फिल्मों के विपरीत यह फिल्म किसी मलयालम वर्जन की रीमेक नहीं है बल्कि इसकी एक मौलिक (ओरिजिनल) कहानी है जो सीरीज का अंत करेगी। इस बार विजय सलगांवकर के सामने पुलिस और कानून की तरफ से पहले से कहीं अधिक खतरनाक और नए चेहरे (जैसे जयदीप अहलावत का किरदार) खड़े हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर को थिएटर में रिलीज होगी। अब देखना होगा कि इस फिल्म को दर्शक किस तरह का रеспॉन्स देंगे।

फ्रांस में नौसेना का त्रिशूल, ‘वरुण’ में दिखी भारत-फ्रांस की समुद्री साझेदारी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच होने वाला द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास ‘वरुण’ एक बार फिर दोनों देशों की मजबूत समुद्री साझेदारी का प्रतीक बना है। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल फ्रांस के टूलॉन बंदरगाह पहुंचा। यहाँ भारतीय युद्धपोत ने अभ्यास ‘वरुण’ के 24वें संस्करण में हिस्सा लिया।

अभ्यास में एनएच90 हेलीकॉप्टरों और अटलांटिक-2 समुद्री गश्ती विमानों ने भी हिस्सा लिया। दोनों नौसेनाओं ने पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह पर मौजूद लक्ष्यों के खिलाफ अभियान और वास्तविक फायरिंग अभ्यास किए। इसके अलावा दोनों नौसेनाओं के हेलीकॉप्टरों की एक-दूसरे के जहाजों पर उतरने की गतिविधियां भी की गई। इन अभ्यासों से समुद्र में दोनों नौसेनाओं के बीच संचालन क्षमता, तालमेल और आपसी समझ को और बेहतर करने का अवसर मिला। सबसे पहले टूलॉन पहुंचने पर



फ्रांसीसी नौसेना ने आईएनएस त्रिशूल का गर्मजोशी से स्वागत किया। जहाज को औपचारिक जल तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद बंदरगाह चरण में दोनों नौसेनाओं के बीच पेशेवर, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ, समुद्री सहयोग और पेशेवर संबंधों को और मजबूत करना था। आईएनएस त्रिशूल के कर्मांडिंग ऑफिसर ने फ्रांसीसी नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने रियर एडमिरल मैकारा

ऊक, संचालन के लिए उपकमांडर-इन-चीफ से भी मुलाकात की। इस दौरान समुद्री अभियानों और दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। फ्रांस यात्रा के दौरान आईएनएस त्रिशूल के कर्मांडिंग ऑफिसर, अधिकारियों और जवानों ने मार्सेय के मजार्ग युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस स्मारक पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले 205 भारतीय सैनिकों की स्मृति जुड़ी है।

यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सैन्य संबंधों की याद भी दिलाता है। भारतीय नौसैनिकों ने इन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर उनके बलिदान को नमन किया। अभ्यास के दौरान दोनों नौसेनाओं के जवानों और अधिकारियों ने एक-दूसरे के जहाजों का दौरा किया। आईएनएस त्रिशूल के चालक दल ने फ्रांसीसी नौसेना के प्रमुख युद्धपोतों चार्ल्स द गॉल, फोर्बिन और ला फायेते का दौरा किया।

दुबई में स्मित के परिजनों से मिले भारतीय राजदूत

विश्व केसरी■
दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के राजदूत दीपक मित्तल और दुबई के कॉन्सल जनरल (महावाणिज्य दूत) ई. विष्णु वर्धन रेड्डी ने फ्लाइट एफजेड 1073 में जान पर फ्लाइट एफजेड 174 लोगों की जिंदगी बचाने वाले कैप्टन स्मित मच्छार के परिवार से मुलाकात की।

यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शॉर्ट मैसेज जारी कर इसकी जानकारी दी। इसमें लिखा गया, ‘यूएई में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल और कॉन्सल जनरल डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी ने कैप्टन स्मित मच्छार के परिवार से मुलाकात की।’

इसके साथ ही उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि दूतावास और वाणिज्य दूतावास लगातार



मदद करते रहेंगे और यूएई के अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेंगे। साथ ही, उन्होंने लोगों की जान बचाने में कैप्टन मच्छार की हिम्मत और प्रयासों की सराहना की।

बुधवार को दुबई से तेलअवीव जा रहे फ्लाई दुबई के विमान को क्रैश कराने की कोशिश को भारतीय मूल के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने नाकाम कर दिया था। इस

साहसिक कार्य में वो बुरी तरह घायल भी हुए और कुछ सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में खून से लथपथ भी दिखे। घायलावस्था में भी कॉकपिट का दरवाजा खोलने तक उनकी भूमिका अहम रही जिसने कई लोगों की जान बचाई। उनकी कोशिशें रंग लाईं और सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग कराई गई। फिलहाल स्मित अस्पताल में भर्ती हैं।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तानी हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 9 की मौत

विश्व केसरी■
काबुल। अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में पाकिस्तानी सेना के हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 9 नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने गुरुवार को हमले की जानकारी देते हुए बताया कि हमलों में आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया। मुजाहिद ने इसे ‘आक्रामक कार्रवाई’ बताते हुए इसकी निंदा की। उन्होंने कहा कि हमला बुधवार रात कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम इलाके और हेलमंद के गर्मसेर जिले के सफर इलाके में किया गया। उनके मुताबिक, हमले में नागरिक मारे गए और घायल हुए, जबकि तीन घर तबाह हो गए। मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पोस्ट पर लिखा, ‘बीती रात पाकिस्तानी विमानों ने कुनार के शुल्तान जिले के चुगाम और हेलमंद के गर्मसेर जिले के सफर इलाके में आम लोगों के घरों पर बमबारी की। महिलाओं और बच्चों समेत नौ अफगान नागरिक मारे गए, 11 घायल हुए और तीन घर तबाह हो गए। हम इस कार्रवाई की सभी मान्य सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाली आक्रामकता और अपराध के रूप में निंदा करते हैं। यह ताजा घटना ऐसे समय सामने आई है, जब हाल के दिनों में अफगानिस्तान के कई प्रांतों को निशाना बनाकर पाकिस्तानी हवाई हमले किए जाने के आरोप सामने आए हैं।’

गौतमबुद्ध नगर में ‘नो पीयूसी, नो पेट्रोल’ लागू, बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के नहीं मिलेगा ईंधन

विश्व केसरी■
नोएडा। ठंड की दस्तक के साथ दिल्ली-एनसीआर में हर साल प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है। इसी को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए गुरुवार से ‘नो पीयूसी, नो पेट्रोल’ व्यवस्था लागू कर दी गई है। इसके तहत ऐसे वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा, जिनके वाहन का वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) उपलब्ध नहीं है। पेट्रोल पंपों पर वाहन में ईंधन भरने से पहले उसके पीयूसी की जांच की जा रही है। नई व्यवस्था के तहत पेट्रोल पंप कर्मी खाद्य एवं रसद विभाग की एप के माध्यम से वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र की स्थिति की जांच कर रहे हैं। एप पर वाहन का पीयूसी वैध पाए जाते के बाद ही पेट्रोल देने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। यदि वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं है या उसकी वैधता समाप्त हो चुकी है तो वाहन चालक को ईंधन नहीं दिया जा रहा है। पेट्रोल पंप कर्मियों के मुताबिक, पहले दिन से ही इस व्यवस्था को लागू करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। वाहन चालक के पेट्रोल लेने पहुंचने पर कर्मचारी एप में वाहन की जानकारी दर्ज कर उसका पीयूसी स्टेटस देख रहे हैं। वैध प्रमाणपत्र होने पर सामान्य तरीके से ईंधन दिया जा रहा है, जबकि पीयूसी नहीं होने की स्थिति में वाहन चालक को प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, पहले दिन एप में तकनीकी दिक्कत आने की बात भी सामने आई है। पेट्रोल पंप कर्मियों का कहना है कि कई बार एप पर वाहन की जानकारी या पीयूसी की स्थिति तत्काल प्रदर्शित नहीं हो रही है।



चीन के नेशनल डे पर जयशंकर ने वांग यी और चीनी लोगों को दी शुभकामनाएं

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी और चीनी लोगों को ‘पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना’ की स्थापना की सालगिरह पर शुभकामनाएं दीं। इस दिन को चीन में नेशनल डे के रूप में भी मनाया जाता है।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की सालगिरह पर पोलित ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी तथा चीन के लोगों को मेरी शुभकामनाएं।’

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) की स्थापना की सालगिरह हर साल एक अक्टूबर को मनाई जाती है। इसी दिन 1949 में माओत्से तुंग ने औपचारिक रूप से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की घोषणा की थी। जयशंकर का यह संदेश ऐसे समय आया है, जब हाल के दिनों में भारत और चीन के रिश्तों में सुधार देखने को मिला



है। इससे पहले न्यूयॉर्क की अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर ने कहा था कि लंबे समय तक चले सीमा तनाव के सबसे खराब दौर के मुकाबले भारत-चीन रिश्तों में सुधार हुआ है। हालांकि, उन्होंने साफ किया था कि दोनों देशों के रिश्ते कितने सामन्य हो पाएंगे, यह सीमा पर हालात पर निर्भर करेगा।

जयशंकर ने कहा था कि भारत-चीन संबंध 2025 के मुकाबले अब बेहतर हैं

पिथौरागढ़ के पहाड़ों में भारत-मंगोलिया ने आतंकवाद रोधी अभियानों की ट्रेनिंग की

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत और मंगोलिया की सेनाएं संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही हैं। अभ्यास के दौरान युद्ध कौशल और ऑपरेशनल तालमेल पर काम किया जा रहा है। भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास ‘नोमैडिक एलीफेंट 2026’ का 18वां संस्करण पिथौरागढ़ स्थित फारिन ट्रेनिंग नोड में चल रहा है।

इस अभ्यास में भारतीय सेना और मंगोलियाई सेना के जवान साथ मिलकर प्रशिक्षण ले रहे हैं। दोनों सेनाओं का मुख्य ध्यान अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद रोधी अभियानों पर है। ऐसे इलाकों में अभियान चलाते समय सैनिकों को अलग-अलग परिस्थितियों में तेजी से निर्णय लेने और एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की जरूरत होती है। अभ्यास के दौरान दोनों



देशों के सैनिक विभिन्न सामरिक अभ्यास कर रहे हैं। इसके साथ ही विश्वास और पेशेवर संबंधों को भी मजबूती मिल रही है। अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच साथ मिलकर अभियान चलाने की क्षमता, परिचालन तालमेल और आपसी समझ को बढ़ाना है। पहाड़ी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आतंकवाद रोधी अभियानों पर संयुक्त प्रशिक्षण दोनों सेनाओं को वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर समन्वय के लिए तैयार करने में मदद करता है।

डीआरआई ने तेंदुए की खाल के अवैध कारोबार का किया भांडाफोड़

विश्व केसरी■
मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गुरुवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र में तेंदुए की खाल के अवैध व्यापार में शामिल एक गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है।

डीआरआई की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के अंतर्गत नागपुर क्षेत्रीय इकाई (नारू) ने 29 सितंबर को राज्य के गोंदिया जिले के पुरादा गांव के पास यह अभियान चलाया।

अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान दो व्यक्तियों को तेंदुए की खाल के अवैध खरीद-फरोख्त में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस) वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची प्रथम के अंतर्गत सूचीबद्ध है, जो ऐसे जानवरों और उनके उत्पादों के व्यापार पर रोक



लागता है।

तदनुसार, बरामद तेंदुए की खाल को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया।

जबकी की औपचारिकताएं पूरी होने पर गिरफ्तार व्यक्तियों को जब्त की गई तेंदुए की खाल के साथ उत्तरी देवरिया रेंज, गोंदिया के वन रेंज अधिकारी को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया।

इस अभियान के साथ, डीआरआई नारू ने हाल ही में पूरे देश में कई अवैध वन्यजीव तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जिनमें तेंदुए की खाल (उज्जैन), बाघ की हड्डियां (सेओनी), पेंगोलिन के शल्क (पिलरु और जगदलपुर) और हाथी दांत (मैसूर) शामिल हैं।

कर्नाटक में पिछले एक अभियान में डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु के गांधीनगर के पास एक व्यक्ति को रोका और उसके सामान की तलाशी लेने पर छह कपड़े के कवर में छिपाए गए 180 जीवित भारतीय तारा कछुए बरामद हुए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारतीय तारा कछुए के खोल पर मौजूद आकर्षक तारे जैसी कठिब्य और सेवा की सर्वोच्च परंपराओं का पालन किया और विमान में सवार सभी लोगों की जान बचाने में मदद की। उनका साहस, संयम और कर्तव्य-बोध देश के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

केरल में छात्रों का विरोध, कन्नूर में मंत्री जनीश की गाड़ी पर हमला

विश्व केसरी■
कन्नूर। कन्नूर जिले में गुरुवार को अलग-अलग जगहों पर केरल के खेल मंत्री अजो जनीश की सरकारी गाड़ी को विरोध और हमलों का सामना करना पड़ा। आरोप है कि ये हमले सीपीआई-एम की युवा शाखा डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने किए।

इस घटना ने मंत्रियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहली घटना तालिपरांबा के कुप्पम में हुई, जब जनीश कन्नूर में पुरातत्व विभाग से जुड़े एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कासरगोड जा रहे थे। आरोप है कि डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) कार्यकर्ताओं ने गाड़ी को रोका और उस



पर पत्थरों और हाथों से हमला किया। इस हमले में गाड़ी का झंडा लगाने वाला पोल और रैन गार्ड क्षतिग्रस्त हो गए। मंत्री के साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों और पुलिस अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। गाड़ी को पय्यानूर और कासरगोड के

रास्ते में कई जगहों पर और भी विरोध का सामना करना पड़ा। पय्यानूर पार करने के तुरंत बाद, गाड़ी पर फिर से हमला किया गया। ये घटनाएं कासरगोड बॉर्डर तक होती रहीं। कांग्रेस नेताओं ने बार-बार हुए इन हमलों को सुरक्षा में गंभीर चूक बताया और कहा कि मंत्री को गाड़ी पर कम समय में दो बार सीधे हमले किए गए।

ये घटनाएं तब हुईं जब डीवाईएफआई नेता और एमएलए एम. विजिन ने कहा था कि उनका संगठन मंत्री के बयानों का सड़कों पर विरोध करेगा। यूथ कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष जनीश ने तिरुवनंतपुरम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाषणा के खिलाफ एक विरोध मार्च का नेतृत्व किया था।

आसमान में हीरो बने कैप्टन स्मित मच्छार, राष्ट्रपति मुर्मु से लेकर केंद्रीय मंत्रियों ने किया बहादुरी को सलाम

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। आसमान में एक बड़ी त्रासदी को टालने वाले कैप्टन स्मित मच्छार आज पूरी दुनिया के लिए हीरो बन गए हैं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद जिस अदम्य साहस और सूझबूझ के साथ उन्होंने 174 यात्रियों की जान बचाई, उसकी चर्चा आज हर तरफ हो रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से लेकर केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तक ने कैप्टन की वीरता को सलाम किया है और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।



दरअसल, फ्लाइट के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उनकी जान बचाने में कैप्टन ने अदम्य साहस और सूझबूझ का सलाम करती

दुर्घटना को टाल दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट करते हुए लिखा, ‘देश को कैप्टन स्मित मच्छार पर गर्व है। उनकी वीरता और मुश्किल समय में सूझ-बूझ ने हम सभी का दिल जीत लिया है। गंभीर खतरे के बीच बुरी तरह घायल होने के बावजूद, वे दूसरों की जान बचाने के लिए डटे रहे। उनकी बहादुरी और तुरंत कार्रवाई ने एक बड़ी त्रासदी को टालने और कई कीमती जानें बचाने में मदद की। मैं उनके अदम्य साहस को सलाम करती

हूँ। मैं उनके जल्द ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।’

वहीं, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरा देश कैप्टन स्मित मच्छार के साथ खड़ा है और उनके असाधारण साहस पर गर्व करता है। अपनी जान जोखिम में डालकर, उन्होंने सर्वोच्च परंपराओं का पालन किया और विमान में सवार सभी लोगों की जान बचाने में मदद की। उनका साहस, संयम और कर्तव्य-बोध देश के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

श्रीलंका को 124 रनों से हराकर टीम इंडिया ने किया फाइनल में प्रवेश, रिकॉर्ड्स की लगाई झड़ी



विश्व केसरी ■

श्रीलंका को 124 रनों से हराकर टीम इंडिया ने किया फाइनल में प्रवेश, रिकॉर्ड्स की लगाई झड़ी

श्रीलंका को 124 रनों से हराया। इस बड़ी जीत के साथ ही टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने इंटरनेशनल के किसी भी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल या फाइनल में रनों के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। टीम इंडिया ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले, भारत ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया था।

मैंस टी20 इंटरनेशनल में 100 से ज्यादा रनों से सर्वाधिक जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड भी भारतीय टीम के नाम हो गया है। टीम इंडिया ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 11वीं बार 100 से ज्यादा रनों की जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने इस मामले में कनाडा (10) को पीछे छोड़ा है। वहीं, श्रीलंका की यह टी20 इंटरनेशनल में रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। भारत से मिले 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 45 रन बनाकर सिमट गई। यह टी20 इंटरनेशनल में फुल मैचर देशों की तरफ से संयुक्त रूप से न्यूनतम स्कोर है। श्रीलंका की तरफ से महज नुवानिंदु फर्नांडो ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके और उन्होंने सर्वाधिक 15 रन बनाए।



भारतीय हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

काकाभिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन ने अब एक और मेडल पक्का कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और मैच के अधिकांश समय में भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा था। मैच के आखिरी हाफ में पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी मिनट में अभिषेक के किए गोल ने न सिर्फ पाकिस्तान पर भारत को जीत दिलाई बल्कि एशियन गेम्स 2026 के फाइनल का टिकट भी दिलाया।

भारत 3-0 की बढ़त के साथ आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने आखिरी मिनट में निर्णायक गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की और पांचवें मिनट में उसे पहला गोल मिला। कई पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बाद, हरमनप्रीत सिंह ने पाकिस्तान के गोलकीपर मुनीब-उर-रहमान रजा के पैरों के बीच से गेंद को गोल में डालकर भारत को बढ़त दिलाई।

हरमनप्रीत ने 13वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को जबरदस्त शॉट के साथ गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। इससे पहले भारत ने गेम पर अपना दबदबा बनाए रखा था।

शुरुआती क्वार्टर में पाकिस्तान को भारत की चालों का सामना करने में मुश्किल हुई, लेकिन ब्रेक के बाद खेल बदल गया। सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट में स्कोर 3-0 कर दिया। यह मूव मनप्रीत सिंह के गेंद पर कब्जा करने से शुरू हुआ था, जिसके बाद शिलानंद लाकड़ा बाईं ओर से आगे बढ़े और गोल के सामने गेंद भेजी।

हाफ-टाइम से ठीक पहले पाकिस्तान ने मैच में वापसी की, जब अबू महमूद ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को 3-1 कर दिया। हाफ-टाइम के बाद भी खेल का रुख बदलता रहा। 45वें मिनट में हनान शाहिद ने एक और गोल किया। आखिरी क्वार्टर शुरू होने के तीन मिनट बाद पाकिस्तान ने वापसी की। राणा वहीद ने दाईं ओर से आई गेंद को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। तीन गोल की बढ़त के बावजूद भारत पर अब शूटआउट का खतरा मंडराने लगा था। अभिषेक ने कुछ ही सेकंड बाकी रहते चौथा गोल दागकर मैच का फैसला कर दिया।

फाइनल में भारत का मुकाबला दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।



प्रीतम सिवाच ने भारतीय टीम को दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रीतम सिवाच की गिनती भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज खिलाड़ियों में की जाती है। प्रीतम का इंटरनेशनल करियर उपलब्धियों से भरा रहा। बतौर खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद उन्होंने कोच के तौर पर भी भारतीय महिला हॉकी को बुलंदियों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। प्रीतम सिवाच का जन्म 2 अक्टूबर, 1974 को गुरुग्राम के पास स्थित झाड़सा गांव में हुआ। प्रीतम को शुरुआत से ही हॉकी के खेल में खास दिलचस्पी थी। उन्होंने महज 13 साल की उम्र में ही हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। हालांकि, प्रीतम के हॉकी खेलने पर उन्हें और उनके परिवार को गांव के लोग जमकर ताने दिए करते थे, लेकिन प्रीतम मानते मन में इस खेल में कुछ हासिल करने का ठान चुकी थीं।

प्रीतम जब 10वीं कक्षा की छात्रा थीं, तो परिवार उनकी शादी करना चाहता था। हालांकि, प्रीतम ने खुद के लिए दो साल का समय मांगा। इसके बाद प्रीतम ने अपना पूरा ध्यान हॉकी खेलने पर लगाया। 1990 में प्रीतम ने पहली बार नेशनल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और टूर्नामेंट की बेस्ट खिलाड़ी बनकर उभरीं।

भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल,



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। तीसरा गेम चान सिन ने 11-6 से जीता, तो चौथे गेम को 13-11 और पांचवें गेम को 12-10 से जीता। इस जीत के साथ हांगकांग ने मैच में 1-0 की बढ़त बना ली।

हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया।

पहले गेम में तन्वी को 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम 13-11, तीसरा गेम 11-9 और 13-11 से जीता।

निर्णायक मुकाबले में जोशाना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गई। हो त्जे ने पहला गेम 11-4 से अपने नाम किया।

इसके बाद दूसरे गेम में भी हांगकांग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को 11-7 से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आई और उन्होंने 11-9 से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया।

वहीं, भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। एशियन गेम्स 2026 में स्क्वैश में यह चौथा मेडल है। इससे पहले, भारत व्यक्तिगत स्पर्धा में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था, जबकि मिक्स्ट डबल्स में जोशाना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी सिल्वर मेडल जीतने में सफल रही थी।

रेसलर नितेश सिवाच ने जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

नागोयाई। एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को भारत के नितेश सिवाच को ग्रीको-रोमन कुश्ती के फाइनल में सिल्वर मेडल के साथ संतोष करना पड़ा। नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में नितेश को पुरुषों के 97 किग्रा फाइनल में जापान के यूरी नकाजातो के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा।

भले ही नकाजातो ने भारत को गोल्ड मेडल जीतने से रोक दिया, लेकिन नितेश का फाइनल तक का सफर एक बड़ी कामयाबी थी। वह साल 1962 के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में ग्रीको-रोमन कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। एशियन गेम्स 1962 में मारुति माने ने इसी वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था।

जापानी प्रतिद्वंद्वी शुरु से ही मुकाबले पर हावी रहने के लिए दृढ़ था और नितेश को अपनी पकड़ बनाने में सफल रहा। पहले राउंड के बीच में नितेश को पेंसिविटी के लिए पेनाल्टी मिली, जिससे नकाजातो ने दो प्वाइंट्स के साथ अपना खाता खोला। इसके बाद भारतीय पहलवान डिफेंसिव स्थिति में आ गए, क्योंकि जापानी पहलवान अपनी बहुत बढ़ावा चाहता था, लेकिन नितेश ने काफी प्रतिरोध दिखाया और अंतर को बढ़ने नहीं दिया।

ब्रेक के समय 0-2 से पीछे चल रहे नितेश को शेष तीन मिनटों में बड़ी वापसी की ज़रूरत थी। इसके बजाय, नकाजातो ने मुकाबले की गति पर नियंत्रण बनाए रखा और भारतीय पहलवान को आक्रामक लय बनाने का कोई मौका नहीं दिया।

जापानी पहलवान ने नितेश को गिराकर अपनी बढ़त 4-0 कर ली और फिर कुछ देर के लिए उन्हें पिन करके मुकाबला खत्म करने की कोशिश की। नितेश ने प्रतिरोध किया और मुकाबले में बने रहे, लेकिन नकाजातो के नियंत्रण ने भारतीय पहलवान के लिए देर से वापसी की बहुत कम गुंजाइश छोड़ी। आखिरकार जापानी पहलवान ने मुकाबला जीतकर गोल्ड मेडल हासिल किया और नितेश को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

नितेश ने क्वार्टर फाइनल में तुर्कमेनिस्तान के अमनबेर्डी अगामामेदोव को 7-1 से हराकर अपने नॉकआउट अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने मोंगोलिया के गनबातारिन गनखुयाग के खिलाफ और भी शानदार प्रदर्शन करते हुए।

गणेश मणि रत्नम ने आर्चरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय कंपाउंड आर्चर गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को पुरुषों के व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनकी सफलता के बाद आर्चरी में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई है। गणेश ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में वियतनाम के कांग डुक डंग को 149-144 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

गणेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 बार '10' का स्कोर किया और लगातार तीन बार '10' के साथ 149 का स्कोर बनाकर अपने प्रतिद्वंद्वी से बढ़त बना ली। आइची-नागोया में यह उनका दूसरा मेडल है। इससे पहले बुधवार को उन्होंने पुरुषों की टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था।

भारत ने कंपाउंड आर्चरी प्रतियोगिता का समापन टीम इवेंट में तीन गोल्ड मेडल और व्यक्तिगत इवेंट में एक ब्रॉन्ज मेडल के साथ किया।

इससे पहले, भारत की चिकिथा तनिपार्थी क्वार्टर-फाइनल में



इंडोनेशिया की नुरिसा डियान अशरीफाह से 144-143 के करीबी अंतर से हारकर महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट से बाहर हो गई।

शुरुआती दो राउंड में चिकिथा पीछे थीं, लेकिन तीसरे राउंड में उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बना ली। हालांकि, आखिरी राउंड में 8, 9, 10 का स्कोर भारी पड़ा, क्योंकि नुरिसा ने 10, 10, 9 का स्कोर करके मुकाबला जीत लिया।

आइची-नागोया 2026 में व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट्स की दोनों

2026 में महिलाओं की टीम इवेंट में गोल्ड और मिक्स्ट टीम का खिताब जीतने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक कोटा भी हासिल किया। बुधवार को चिकिथा, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्म की भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने चीन को 238-234 से हराकर अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखा। भारत ने इस इवेंट में 2018 में सिल्वर और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

चिकिथा ने साहिल जाधव के साथ मिलकर कंपाउंड मिक्स्ट टीम इवेंट का भी गोल्ड मेडल जीता। इस जीत से भारत को लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में कंपाउंड मिक्स्ट टीम इवेंट के लिए कोटा भी मिल गया, जहां यह खेल पहली बार ओलंपिक में शामिल होगा।

इसके अलावा, साहिल ने पुरुषों की टीम इवेंट में भी अपना दूसरा गोल्ड मेडल जीता।

कुशल दलाल, साहिल और गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने शानदार वापसी करते हुए चीन को हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

सिल्वर मेडल कड़ी मेहनत का इनाम: एंसी सोजन

विश्व केसरी ■

नागोया। भारतीय एथलीट एंसी सोजन ने कहा कि थकान और किस्मत की वजह से वह सिर्फ दो सेंटीमीटर से अपना पहला एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने से चूक गई। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर मेडल जीतना मेरी कड़ी मेहनत का इनाम है।

बारिश वाली शाम को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की टॉप लॉन्ग जंपर (लंबी कूद की खिलाड़ी) ने शुरुआत में तो आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन आखिर में वह दूसरे स्थान पर आ गई। एंसी ने अपनी आखिरी तीन जंप में थकान और फिसलन भरे ट्रैक का सामना किया, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई।

'साई मीडिया' के साथ खास बातचीत में एंसी ने कहा, 'मैं आगे चल रही थी और भगवान से प्रार्थना कर रही थी कि वे मुझे निराश न करें। मुझे लगा कि 6.55 मीटर कुछ भी नहीं है और मैं 6.60 मीटर से ज्यादा की कोशिश कर रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। दुर्भाग्य से वह दिन मेरा नहीं था और मेरे पास अपनी किस्मत को स्वीकार



करने के अलावा कोई चारा नहीं था। एंसी ने कहा, 'एशियन गेम्स का सिल्वर मेडल इस सीजन में मेरी कड़ी मेहनत का इनाम है। यह बहुत लंबा सीजन था और मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैंने कड़ी टक्कर दी और आइची-नागोया में अपना 100 प्रतिशत दिया, लेकिन वह दिन मेरा नहीं था। एंसी के लिए 2026 एक शानदार साल रहा है। केरल के त्रिशूर की रहने वाली 25 वर्षीय एंसी ने एशियाई इनडोर चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल के साथ शुरुआत की और एशियन गेम्स में अपने दूसरे सिल्वर मेडल के साथ समापन किया।

एक बड़ी उपलब्धि तब मिली जब एंसी ने भुवनेश्वर में नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.88 मीटर की शानदार जंप लगाई और अंजू बॉबी जॉर्ज के पीछे रह गईं। 6.83 मीटर के 22 साल पुराने भारतीय नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ा। जब एंसी और शैली सिंह आइची-नागोया में मुकाबला कर रही थीं, तो वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट अंजू जॉर्ज के पास मौजूद थीं। एंसी ने कहा, 'वह मेरे पास आई और मुझे अपनी लैंडिंग को और आगे बढ़ाने के टिप्स दिए। उन्होंने मेरा बहुत हौसला बढ़ाया और मुझे यह बहुत अच्छा लगा।

स्वच्छ भारत मिशन के 12 साल: एआई, रोबोट और ईवी से बदल रही शहरों की सफाई व्यवस्था



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन के 12 साल पूरे होने से पहले गुरुवार को जारी एक सरकारी फैक्टशीट में बताया गया कि शहर साफ-सफाई सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल प्लेटफॉर्म और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बयान में कई उदाहरण देते हुए कहा गया कि स्थानीय निकाय कचरे और जल-निकायों के प्रबंधन के लिए एआई से लेकर ईवी तक के साधनों का इस्तेमाल करके सुरक्षित,

साफ और ज्यादा कुशल तरीके अपना रहे हैं।

रायपुर नगर निगम ने यूपीवाईओजी प्लेटफॉर्म पर आधारित एक डिजिटल 'फिकल स्लज मैनेजमेंट' (एफएसएम) डैशबोर्ड प्रोटोटाइप पेश किया। यह प्लेटफॉर्म आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स और नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन से जुड़ा है।

यह सिस्टम निवासियों को ऑनलाइन डी-स्लजिंग (सेप्टिक टैंक की सफाई) सेवाएं बुक करने,

डिजिटल रूप से भुगतान करने और प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से ट्रैक करने की सुविधा देता है। पहले, सेप्टिक टैंक की सफाई सेवाओं के लिए उन्हें नगर निगम कार्यालय जाना पड़ता था।

जैसे ही कोई निवासी अपना मोबाइल नंबर या प्रॉपर्टी आईडी डालता है, सिस्टम अपने-आप पता ढूंढ लेता है। बयान में बताया गया कि एक सिंगल-पेज फॉर्म के जरिए डी-स्लजिंग सेवा बुक की जा सकती है। काम पूरा होने के बाद ड्राइवर तस्वीरें अपलोड करते हैं, और डैशबोर्ड शहर को वाहनों की

निगरानी करने और संसाधनों की योजना बेहतर ढंग से बनाने में भी मदद करता है। डिजिटल निगरानी, 2?सीवर की मैयुअल (हाथ से) सफाई से मशीनीकृत सफाई की ओर बढ़ने में मदद करती है।

तिरुवनंतपुरम म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अमायिज्ञानचन नहर की सफाई के लिए एआई-पावर्ड नहर-सफाई सिस्टम, जी-स्पाइडर (एसपीआईडीआईआर) रोबोट को पेश किया है।

यह रोबोट जमा हुए कचरे का पता लगाने, उसका आकलन करने और उसे हटाने के लिए मशीन विजन और सेंसर इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करता है। यह अलग-अलग तरह के कचरे, पानी के बहाव की स्थितियों और बनावट से जुड़ी चुनौतियों के हिसाब से रियल-टाइम में खुद को ढाल लेता है। इसके 'फाइव-डिग्री-ऑफ-प्रोडम' मैकेनिज्म में मिले-जुले और अनियमित आकार के कचरे को उठाने के लिए बायोमिमेटिक पंजे का इस्तेमाल किया जाता है। निकाले गए कचरे को सीधे तय कलेक्शन गाड़ियों में डाल दिया जाता है।

जी-स्पाइडर जहरीली गैसों, दूषित पानी और खतरनाक कचरे को सीधे संपर्क को कम करके कर्मचारियों की सुरक्षा को बेहतर

बनाता है। यह पानी के ऊंचे स्तर और लगातार बहाव की स्थितियों में भी काम कर सकता है, जिससे नहर की सफाई का काम तय समय पर और व्यवस्थित तरीके से हो पाता है।

गुंटूर शहर में, 200 से ज्यादा इलेक्ट्रिक ऑटो ने शहर भर में घर-घर जाकर लगभग इकट्ठा करने के काम को ज्यादा साफ-सुथरा बना दिया है। हर गाड़ी में जीपीएस ट्रैकिंग लगी है, जिससे कचरा इकट्ठा करने के काम को रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सकती है। इस पहल से हर साल 71,000 लीटर से ज्यादा डीजल की जरूरत खत्म हो गई है और अनुमान है कि इससे एक दशक में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 21,000 टन की कमी आएगी।

बयान में कहा गया है कि 2 अक्टूबर 2014 को शुरू हुआ स्वच्छ भारत मिशन अब डिजिटल, सेंसर-बेस्ड और इलेक्ट्रिक शहरी साफ-सफाई व्यवस्था में बदल गया है।

तमिलनाडु में ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने के लिए सभी 15 ज़ोन में 5,478 बैटरी से चलने वाले ई-रिक्शा तैनात किए हैं। ये गाड़ियां रोजाना लगभग 40 किलोमीटर चलती हैं और डीजल से चलने वाली कचरा इकट्ठा करने वाली गाड़ियों की जगह ले रही हैं।



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। सरकारी दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) ने गुरुवार को कहा कि उसके बोर्ड ने मुंबई के पवई स्थित अपनी संपत्ति को आयकर विभाग को 891.53 करोड़ रुपए में बेचने की मंजूरी दे दी है।

एमटीएनएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह संपत्ति प्लॉट-सी, टेक्नोलॉजी स्ट्रीट, पवई में स्थित है और इसका कुल भूमि क्षेत्र 20,895.60 वर्ग मीटर है।

कंपनी ने कहा कि इस संपत्ति की बिक्री सरकार-से-सरकार (जी2जी) हस्तांतरण या सीधे बिक्री के जरिए की जाएगी।

दूरसंचार कंपनी के अनुसार, यह लेनदेन आयकर विभाग की औपचारिक स्वीकृति के अधीन है और इसे राष्ट्रपति एवं अल्टरनेटिव मैकेनिज्म (एएम) की मंजूरी के आधार पर किया जा रहा है।

प्रस्तावित बिक्री एमटीएनएल के गैर-मुख्य परिसंपत्तियों का मौद्रिकरण करने के प्रयासों का

हिस्सा है। यह बिक्री ऐसे समय पर की जा रही है, जब सरकारी दूरसंचार कंपनी लगातार वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रही है।

इसके अलावा, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जुलाई में कहा था कि वित्त वर्ष 2025-26 में एमटीएनएल की कुल देनदारियां करीब 40,008.52 करोड़ रुपए थीं, जबकि उसकी गैर-मुख्य परिसंपत्तियों का मूल्य करीब 50,000 करोड़ रुपए था।

सरकार ने कंपनी को अपनी देनदारियां पूरी करने में मदद के लिए परिसंपत्ति मौद्रिकरण को एक उपाय के रूप में चिन्हित किया है।

जुलाई में लोकसभा में लिखित जवाब में मंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, एमटीएनएल का घाटा वित्त वर्ष 2021-22 के 2,616 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 3,101 करोड़ रुपए हो गया।

उनके अनुसार, कंपनी की कुल आय वित्त वर्ष 2021-22 के 1,696 करोड़ रुपए से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 1,469 करोड़ रुपए रह गई।

इस खबर के बाद एमटीएनएल के शेयरों में तेजी देखी गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर एमटीएनएल का शेयर दोपहर 1:15 बजे 9.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 25.18 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में एनसे 26.94 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ।

बुजुर्गों के लिए योग है संजीवनी, आयुष मंत्रालय ने गिनाए नियमित अभ्यास के फायदे

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बुजुर्गों के लिए स्वस्थ और गरिमापूर्ण जीवन पर जोर दिया है। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर बताया कि उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन योग, संतुलित आहार और सही देखभाल से इसे बेहतर बनाया जा सकता है।

मंत्रालय ने अपने पोस्ट में कहा, 'उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक बदलाव आते हैं। योग, संतुलित आहार, सही आराम और देखभाल से बुजुर्ग अपनी सेहत, आत्मनिर्भरता और खुशहाली बनाए रख सकते हैं।'

हर साल 1 अक्टूबर को बुजुर्गों के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बुजुर्गों के अधिकारों, उनकी देखभाल



और समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाना है। आयुष मंत्रालय ने इस मौके पर योग को स्वस्थ एजिंग का सबसे बड़ा आधार बताया है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई बदलाव आते हैं। ऐसे में

योग संतुलन, सेहत और खुशहाली को बढ़ावा देता है। मंत्रालय ने अपील की है कि बुजुर्ग योग से खुद को फिट रखें। हल्की-फुल्की गतिविधियां भी स्वस्थ रूप से उम्र बढ़ने में मदद करती हैं।

मंत्रालय ने बताया कि नियमित योग अभ्यास से कई फायदे हो सकते हैं। इससे लचीलापन और संतुलन में सुधार होता है।

यह शारीरिक आत्मनिर्भरता बनाए रखने में मदद करता है और ताकत व चलने-फिरने की क्षमता को बढ़ावा देता है। बुजुर्गों के लिए यह बेहद जरूरी है कि अपने रोजगारों के काम खुद कर सकें।

शरीर और मन को पोषण देना भी उतना ही जरूरी है। पौष्टिक भोजन, संतुलित मात्रा में खाना और शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखने से ताकत बनी रहती है। इससे स्वस्थ रूप से उम्र बढ़ने में मदद मिलती है और पोषण की कमी से बचाव होता है।

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि सेहत समग्र होती है। योग केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक खुशहाली में भी मदद करता है।

तनाव और थकान से हैं परेशान? रोज करें पश्चिमोत्तानासन, मन रहेगा शांत

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखना बहुत जरूरी है। ऐसे में नियमित रूप से योगासन और संतुलित आहार बेहद जरूरी है। योग के विभिन्न आसनों में पश्चिमोत्तानासन एक बहुत ही फायदेमंद आसन माना जाता है। इसके नियमित रूप से करने से न सिर्फ शरीर में लचीलापन आता है बल्कि पाचन भी बेहतर होता है।

संस्कृत में 'पश्चिम' का अर्थ शरीर का 'पिछला हिस्सा' (पीठ) और 'उत्तान' का अर्थ 'खिंचाव' होता है। इस आसन में बैठकर आगे की ओर झुकते हुए पूरी पीठ और पैरों की

मांसपेशियों को खींचा जाता है। इस आसन में हम बैठकर आगे की ओर झुकते हैं, जिससे पूरी रीढ़ की हड्डी, पेट के अंग और नसों पर सकारात्मक असर पड़ता है। यह आसन हठ योग के 12 मूल आसनों में गिना जाता है। 'हठयोग प्रदीपिका' में पश्चिमोत्तानासन का विशेष रूप से वर्णन किया गया है और इसे बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। हठयोग प्रदीपिका के अनुसार, यह आसन शरीर में प्राण वायु (ऊर्जा) को 'सुषुम्ना नाड़ी' में प्रवाहित करने में मदद करता है और जठराग्नि (पाचन शक्ति) को तीव्र करता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार पश्चिमोत्तानासन (बैठकर आगे झुकने वाला

आसन) रीढ़ की हड्डी, पाचन तंत्र और मानसिक शांति के लिए एक बेहद लाभदायक योगासन है। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास से श्वसन क्षमता में सुधार होता है, जिससे फेफड़े मजबूत होते हैं। खासतौर पर मधुमेह रोगियों के लिए यह आसन हो, लिबर और किडनी से जुड़ी समस्याओं में भी यह लाभकारी है।

मासिक धर्म संबंधी विकारों से राहत दिलाने में पश्चिमोत्तानासन काफी असरदार है। यह पेट के निचले हिस्से में रक्त संचार को बेहतर बनाता है और दर्द को कम करने में मदद करता है।

आसन) रीढ़ की हड्डी, पाचन तंत्र और मानसिक शांति के लिए एक बेहद लाभदायक योगासन है। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास से श्वसन क्षमता में सुधार होता है, जिससे फेफड़े मजबूत होते हैं। खासतौर पर मधुमेह रोगियों के लिए यह आसन हो, लिबर और किडनी से जुड़ी समस्याओं में भी यह लाभकारी है।

मासिक धर्म संबंधी विकारों से राहत दिलाने में पश्चिमोत्तानासन काफी असरदार है। यह पेट के निचले हिस्से में रक्त संचार को बेहतर बनाता है और दर्द को कम करने में मदद करता है।

करौंदा : कम देखभाल में पनपने वाला पौधा, स्वाद के साथ सेहत के लिए भी उपयोगी

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। करौंदा (कैरिडास) एक छोटा, काटेदार और बहुत ही उपयोगी पौधा है। यह स्वाद में खट्टा होने के साथ ही सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु विभाग ने भी इस पौधे को आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इसकी खूबियों के बारे में जानकारी साझा की है।

करौंदा का पौधा आमतौर पर करीब 8 से 12 फीट तक ऊंचा हो सकता है। इसकी सबसे खास

पहचान इसकी मजबूत काटेदार शाखाएँ हैं। पौधे की पत्तियाँ छोटी, मोटी और एक-दूसरे के विपरीत दिशा में लगी होती हैं। इसे खेतों, बगीचों और घरों के आसपास सुरक्षा के लिहाज से भी लगाया जाता है।

करौंदा में छोटे और सुगंधित सफेद फूल खिलते हैं, जो देखने में काफी सुंदर लगते हैं। इसमें फूलों के बाद छोटे फल लगते हैं।

शुरुआत में ये फल हरे रंग के होते हैं, लेकिन पकने के साथ इनका रंग लाल से लेकर बैंगनी-काला तक हो जाता है। पकने के बाद करौंदा का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है।

करौंदा भारतीय रसोई में भी अपनी अलग जगह रखता है। इसके फलों से स्वादिष्ट अचार, जैम और जेली बनाई जाती है। कई जगहों पर इसे सब्जियों और अलग-अलग पारंपरिक व्यंजनों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसका खट्टा और हल्का कसैला स्वाद खाने का जायका बढ़ा देता है। इसे कुछ लोग पकने पर ताजा भी खाते हैं।

वहीं, पोषण की बात करें तो करौंदा के फलों में आयर्न और विटामिन-सी काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

इसलिए इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाना फायदेमंद हो सकता है।

आप इसे अचार, सब्जी, चटनी या किसी भी अन्य तरीके से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

करौंदा की एक और खासियत यह है कि इसे ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती और यह आसानी से पनप सकता है। इसकी काटेदार संरचना इसे प्राकृतिक बाड़ के लिए उपयोगी बनाती है।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस : जेपी नड्डा समेत भाजपा नेताओं ने रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सराहा

विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। रक्तदान मानवता, एकजुटता और सेवा का सबसे सरल और सबसे बड़ा कार्य है। इसी भावना को सम्मान देने के लिए आज देशभर में राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत भाजपा नेताओं ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सलाम किया, जो बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की जान बचाने के लिए आगे आते हैं। साथ ही, अन्य लोगों से भी रक्तदान करने की अपील की।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 2026 पर आइए हम स्वैच्छिक रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सराहें और स्वैच्छिक, बिना

किसी पारिश्रमिक के रक्तदान के माध्यम से सुरक्षित, पर्याप्त और टिकाऊ रक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का विषय, 'मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं।' स्वैच्छिक रक्तदान के पीछे की मानवीय भावना को रेखांकित करता है और योग्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को आगे आने और नियमित स्वैच्छिक रक्तदान को सामुदायिक भागीदारी का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने अपने संदेश में सभी से अपील की है कि हम सब मिलकर स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना जारी रखें और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त और रक्त घटकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की सामूहिक कोशिशों को और मजबूत करें।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

📍 **Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)** ☎ **9116777722**

📍 **Amapara, Pitalband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.)** ☎ **7509007388**

✉ **drprajwalsoni@gmail.com**

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

Diwali Special Offer

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रांली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी खेपेर, खेपेर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी विश्वकांत बघेल (अग्रज)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लॉर्डे, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR **फाइल बनवाएं मात्र 500/-**

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट

• फूड लाइसेंस+ Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर संपर्क करें **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

📍 City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur. ☎ **83700 09993**

:H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpara, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

[illegible]

स्वास्थ्यकारि राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगंवा रोड उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहवा बाजार, टाटीबंघ रायपुर छत्तीसगढ़- 492099, स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरटी एकट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादक के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए व्याख्येय रायपुर होगा।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasis2026@gmail.com, आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251